Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

दैनिक
# साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 220 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, गुरुवार 27 अगस्त, 2026 www.sakarbharat.com

SHORT NEWS

### विमान सुरक्षा होगी और पुख्ता

**मुंबई।** भारतीय विमानन क्षेत्र में यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए सरकार एक बेहद कड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाने जा रही है। सरकार देश के सभी कमर्शियल पायलटों के लिए सालभर किसी भी समय औचक (रैंडम) नशीले पदार्थों का टेस्ट (साइकोएक्टिव सब्सटेंस टेस्ट) अनिवार्य करने पर विचार कर रही है। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने इसके स्पष्ट संकेत दिए हैं। उन्होंने बताया कि विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) इस दिशा में नए सुरक्षा मानकों को लागू करने के लिए सभी संबंधित पक्षों (स्टेकहोल्डर्स) के साथ गंभीर चर्चा कर रहा है।

### भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत

**मुंबई।** पश्चिम एशिया में तनाव फिर बढ़ने, होर्मुज तनाव से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने और एआई व्यापार में कमी के बाद भी घरेलू बाजार में गति बनी हुई है। पीएल असेट मैनेजमेंट ने अपनी मासिक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है। भारत के घरेलू बुनियादी कारणों जिसमें कंपनियों की आय में वृद्धि, ऋण में मांग बने रहने से बढ़ोतरी और संस्थागत प्रवाह स्थिर रहने के साथ ही विकास, प्रावह और मूल्यांकन में सामंजस्य स्थापित होने से देश की अर्थव्यवस्था को गति मिल रही है।

### बाजार में उतार-चढ़ाव के बाद लौटी रौनक

**नई दिल्ली।** भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी उतार-चढ़ाव के बाद बढ़त के साथ बंद हुए। अंतिम समय की खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट ने निवेशकों के रुझान को शांत किया। दिन के अधिकतर समय नकारात्मक दायरे में रहने के बाद, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स कारोबार के अंतिम समय में उछला। यह 286.98 अंक, यानी 0.37 फीसदी बढ़कर 77,656.09 पर बंद हुआ।

### 14 साल में जर्जर हुआ महानदी पुल,

**रायपुर-गरियाबंद।** को जोड़ने वाला राजिम का महानदी उच्चस्तरीय पुल बदहाल हो गया है। निर्माण के महज 14 साल बाद ही पुल की सड़क पर 52 से अधिक गड्ढे हो गए हैं और कई जगह सरिया दिखाई देने लगी है। राजधानी रायपुर को गरियाबंद जिले से जोड़ने वाला राजिम का प्रतिष्ठित महानदी उच्चस्तरीय पुल इन दिनों बदहाली का शिकार है।

करीब 536.90 मीटर लंबे इस पुल पर छोटे-बड़े 52 से अधिक गड्ढे हो गए हैं। कई स्थानों पर गिट्टी और सीमेंट की परत उखड़ चुकी है।

### बहनों ने बांधी स्नेह की डोर, विष्णु भैया ने दिया सुरक्षा और सम्मान का भरोसा

# नक्सलवाद के अंत से बहनों को मिला सुरक्षा और विश्वास का सबसे बड़ा उपहार : साय

- स्नेह की डोर कार्यक्रम में राष्ट्ररक्षा के संकल्प और भाई-बहन के स्नेह का हुआ भावपूर्ण संगम
- मुख्यमंत्री ने रायपुर जिले के पांच अभिनव प्रोजेक्ट्स का किया शुभारंभ
- शहीद उपनिरीक्षक युगल किशोर वर्मा की धर्मपत्नी माधुरी वर्मा ने मुख्यमंत्री की कलाई पर बांधी राखी, भावुक हुए साय

कलयुग का भारत

**रायपुर।** रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले राजधानी रायपुर में आज भाई-बहन के स्नेह और राष्ट्ररक्षा के संकल्प का भावपूर्ण संगम देखने को मिला। बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित स्नेह की डोर कार्यक्रम में केंद्रीय सुरक्षा बलों, सेना और पुलिस के जवानों की कलाइयों पर जब स्कूली बेटियों, दिव्यांग बेटियों और महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों ने रक्षा सूत्र बांधे तो पूरा वातावरण आत्मीयता, सम्मान और कृतज्ञता के भाव से भर उठा।

कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब वर्ष 2017 में रक्षाबंधन के ठीक एक दिन पूर्व नक्सली मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए शहीद उपनिरीक्षक श्री युगल किशोर वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती माधुरी वर्मा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की कलाई पर राखी बांधी। मुख्यमंत्री इस अवसर पर भावुक हो उठे। उन्होंने शहीद श्री वर्मा के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए शहीद जवानों के परिवारों के साथ सदैव खड़े रहने का संकल्प दोहराया।

#### बहनों का स्नेह मेरी सबसे बड़ी शक्ति : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें छत्तीसगढ़ की लाखों-करोड़ों बहनों का अपार स्नेह और आशीर्वाद मिला है। बहनों का यही विश्वास और अपनापन जनसेवा के लिए नई ऊर्जा देता है। राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के साथ उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण आज शासन की नीतियों के केंद्र में है। छत्तीसगढ़ में 2 लाख 42 हजार से अधिक महिला स्व-सहायता समूहों से करीब 30 लाख महिलाएं जुड़ी हुई हैं। लखपति दीदी अभियान ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है और प्रदेश की 13 लाख 85 हजार बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राखी का यह धागा केवल भाई-बहन के स्नेह का बंधन नहीं, बल्कि एक शहीद परिवार के विश्वास और अपनत्व का प्रतीक है। हमारे वीर जवानों का बलिदान और उनके परिवारों का त्याग छत्तीसगढ़ कभी नहीं भूल सकता। शहीदों के परिवार हमारे अपने परिवार हैं और उनके सम्मान, स्वाभिमान तथा हर सुख-दुख में उनके साथ खड़े रहने का यह रिश्ता सदैव अटूट रहेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि देश और छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद के आतंक से मुक्त कराने के लिए हमारे सुरक्षा बलों ने अदम्य साहस का परिचय दिया है और अनेक जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है। नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़ हमारी बहनों के लिए सुरक्षा और विश्वास का सबसे बड़ा उपहार है। अब वह समय आ रहा है जब नक्सल हिंसा के कारण किसी बहन का सुहाग नहीं उजड़ेगा, किसी मां को अपना बेटा नहीं खोना पड़ेगा और किसी बहन को अपने भाई के सकुशल घर लौटने की चिंता नहीं सताएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प तथा सुरक्षा बलों के साहस और पराक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता ने बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में शांति और विकास के नए युग का मार्ग प्रशस्त किया है। इस परिवर्तन में बस्तर की जनता का विश्वास और सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब बस्तर की पहचान हिंसा से नहीं, बल्कि शांति, विकास, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, पर्यटन और नई संभावनाओं से होगी। लंबे समय तक नक्सलवाद के कारण विकास से वंचित रहे क्षेत्रों तक सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और रोजगार के अवसर तेजी से पहुंचाए जा रहे हैं। सरकार का संकल्प बस्तर को देश के श्रेष्ठ और विकसित आदिवासी अंचलों में शामिल करना है।

#### जवानों की कलाइयों पर सजी बहनों की राखी

स्नेह की डोर कार्यक्रम में सीआईएसएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआरपीएफ, सेना और पुलिस के लगभग 800 जवान शामिल हुए। स्कूली छात्राओं, दिव्यांग बेटियों, स्वच्छता दीदियों, ड्रोन दीदियों, लखपति दीदियों और महिला स्व-सहायता समूहों की बहनों ने जवानों की कलाइयों पर राखी बांधी और राष्ट्र तथा समाज की सुरक्षा में उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में ऐसा आत्मीय और अद्भुत दृश्य पहली बार देखा है।

## नया रायपुर में 348 मकानों और 704 फ्लैट्स का होगा निर्माण

### मंत्री ओपी चौधरी ने किया भूमिपूजन

कलयुग का भारत

**रायपुर।** नया रायपुर अटल नगर में अब आवासीय सुविधाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है। इस दिशा में छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड ने एक और बड़ा कदम उठाया है। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने सेक्टर 12 में हाउसिंग बोर्ड फेस 2 के तहत आवास निर्माण योजना का भूमिपूजन किया।

बता दें कि सेक्टर 12 की फेज 2 में 119.89 करोड रुपए की लागत से आवासीय प्रोजेक्ट प्रस्तावित है। फेज 2 में 348 भवनों का निर्माण किया जा रहा है। 29.20 एकड़ भूमि पर एचआईजी और एमआईजी श्रेणी के भवनों का निर्माण किया जाएगा। इन भवनों का बेस प्राइस 45.70 लख रुपए से 85.117 लाख तक निर्धारित किया गया है। सेक्टर 12 के फेज 2 में 704 नए फ्लैट का भी निर्माण किया जाएगा। मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि नए मकान बनने से 5 लाख लोगों को नया रायपुर में शिफ्ट करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। आवास के साथ ही यहां मूलभूत सुविधाएं विकसित करने की दिशा में भी लगातार प्रयास किया जा रहे हैं।

## सुप्रीम कोर्ट नाराज, कहा- मंदिर की तिजोरी में पहुंचे एक-एक पैसा

**नई दिल्ली (ए)।** वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित हेराफेरी और धनराशि के गलत तरीके से निकाले जाने के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कड़ा रुख अपनाया। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की ओर से दिया गया एक-एक पैसा या तो मंदिर की दानपेटियों में पहुंचे या ऑनलाइन माध्यम से सीधे मंदिर की कोषागार में जमा हो। अदालत ने कहा कि चढ़ावे की राशि को किसी भी तरह से इधर-उधर किए जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

***दानपेटी के सामने पैसे इकट्ठा करने का वीडियो पेश***-मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष मंदिर के कामकाज की निगरानी कर रही उच्चाधिकार प्राप्त समिति की स्थिति रिपोर्ट रखी गई। वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने अदालत को बताया कि मामले में बेहद गंभीर स्थिति सामने आई है और तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने अदालत के समक्ष तस्वीरें और एक वीडियो भी पेश किया। सिंह ने बताया कि वीडियो में तीन लोग 'गोलक' यानी पारंपरिक दानपेटी के सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं, जो श्रद्धालुओं से पैसे लेकर उन्हें अपनी पॉलीथिन की थैलियों में डाल रहे हैं।

#### छत्तीसगढ़ में बीज की कालाबाजारी पर बड़ी कार्रवाई

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में अवैध बीज और उर्वरक की कालाबाजारी के खिलाफ कृषि विभाग ने छापेमारी तेज कर दी है। 10 से ज्यादा केंद्रों पर कार्रवाई में बीज-उर्वरक जब्त किए गए। राजधानी समेत प्रदेशभर में अवैध बीज भंडारण और कालाबाजारी का धंधा धड़ल्ले से चल रहा है।

## दिल्ली में इन्फ्लूएंजा के 3000 से अधिक केस, सीएम ने बुलाई बैठक

### मंत्री बोले- स्थिति कंट्रोल, दवाओं की कमी नहीं

**नई दिल्ली (ए)।** राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इन्फ्लूएंजा के मामलों में लगातार हो रही वृद्धि के बीच, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक आपातकालीन समीक्षा बैठक बुलाई है। मंगलवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने इसकी जानकारी देते हुए जनता को आश्वस्त किया कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है और स्थिति पूरी तरह से सरकार के नियंत्रण में है। डॉक्टरों और दवाओं की कोई कमी नहीं-स्वास्थ्य विभाग, एमसीडी, एनडीएमसी और दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि अस्पतालों में डॉक्टरों, मेडिकल स्टाफ या दवाओं की कोई कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने एक आपातकालीन समीक्षा बैठक बुलाई है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि कोई समस्या नहीं है, सब कुछ नियंत्रण में है।

इस साल अब तक 2,308 स्वाइन फ्लू के मामले-आंकड़े साझा करते हुए मंत्री ने बताया कि दिल्ली में इस साल अब तक इन्फ्लूएंजा के लगभग 3,000 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से सबसे बड़ा हिस्सा एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) संक्रमण का है, जिसके 2,308 मामले सामने आए हैं। शेष मामले इन्फ्लूएंजा के अन्य स्ट्रेन के हैं।

### रक्षा मंत्रालय का बड़ा फैसला

## भारतीय कंपनियां करेंगी पारंपरिक मिसाइलों का उत्पादन, मंत्री राजनाथ सिंह ने दी मंजूरी

**नई दिल्ली (ए)।** रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित सभी पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों की तकनीक भारतीय उद्योगों को हस्तांतरित करने को मंजूरी दे दी है।

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि इससे देश में इन मिसाइल प्रणालियों का स्वदेशी उत्पादन किया जा सकेगा। मंत्रालय के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मजबूत करना और देश के रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में घरेलू उद्योगों की भागीदारी बढ़ाना है।

***पात्र कंपनियां कर सकेंगी मिसाइलों का उत्पादन***-तकनीक हस्तांतरण के बाद पात्र भारतीय कंपनियां पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों की डीआरडीओ-विकसित तकनीकों का देश में उत्पादन कर सकेंगी। इसके लिए संबंधित योग्यताओं, प्रमाणन और नियामकीय आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह पहल रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने और रक्षा विनिर्माण में भारतीय उद्योगों की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे देश की स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता को और मजबूती मिलेगी। यह पहल मिसाइल प्रणालियों के विकास से औद्योगिक स्तर पर उत्पादन की ओर सफलतापूर्वक बदलाव को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

#### आयात पर निर्भरता होगी कम

इस पहल का एक प्रमुख उद्देश्य रक्षा उपकरणों के आयात पर निर्भरता कम करना और देश में रक्षा प्रणालियों के निर्माण में घरेलू मूल्यवर्धन बढ़ाना है। इससे भारत के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार और स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी। डीआरडीओ ने कहा है कि वह उन्नत रक्षा तकनीकों के हस्तांतरण और उनके प्रभावी इस्तेमाल के लिए भारतीय उद्योग के साथ मिलकर काम करता रहेगा।

#### हाइपरसोनिक हथियार कार्यक्रम पर भी काम जारी

भारत अपने स्वदेशी हाइपरसोनिक हथियार कार्यक्रम को भी लगातार आगे बढ़ा रहा है। डीआरडीओ हाइपरसोनिक ग्लाइड और क्रूज मिसाइल तकनीकों पर काम कर रहा है। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी डीआरडीओ और देश के रक्षा विनिर्माण आधार के विस्तार पर जोर दिया था।

#### जापान में पीयूष गोयल का सख्त अंदाज

## चीन पर तंज से लेकर जापानी उद्योग को आईना

**नई दिल्ली।** केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल जापान से निवेश मांगने पहुंचे हैं, लेकिन टोक्यो में उनका तेवर मांगने वाले का नहीं था। सोमवार को अलग-अलग बैठकों में उन्होंने जापानी उद्योग जगत को भारत में निवेश का न्योता दिया और साथ ही उसकी शिकायतों पर पलटकर सवाल भी खड़े कर दिए और वहीं समाधान भी देकर नए भारत का नमूना भी दिखा दिया। एक बैठक में उन्होंने साफ कहा कि उद्योग के कुछ हिस्सों की मांगें पूरी करना बहुत मुश्किल होता है और इसके लिए वह माफी नहीं मांगते। गोयल की दो टूक- कहा कि वह खुलकर और साफ बोलते हैं। पीयूष गोयल का संदेश स्पष्ट था कि भारत निवेश के लिए दरवाजे खोल रहा है, लेकिन अपनी शर्तों और हितों की कीमत पर नहीं। चीन का नाम लिए बगैर गोयल ने जापान की कमजोर नस को बहुत ही हल्के-फुल्के, लेकिन प्रभावी अंदाज में उठा दिया।भारत को डाटा सेंटर के लिए सबसे भरोसेमंद ठिकाना बताते हुए उन्होंने चीन पर तगड़ा तंज मारा।



## बैंक मैनेजर ही हो गया ठगी का शिकार

**रायपुर।** राजधानी रायपुर में साइबर ठगी का मामला सामने आया है। जालसाज ने भारतीय स्टेट बैंक की आईजीकेवी शाखा की बैंक मैनेजर को ही ठगी का शिकार बना लिया।

आरोपी ने खुद को कार कंपनी का संचालक बताकर करीब 2 करोड़ रुपए की एफडी कराने की बात कही और बैंक मैनेजर का भरोसा जीता।इसके बाद मेडिकल भुगतान के नाम पर 4 लाख 99 हजार रुपए दूसरे बैंक खाते में ट्रांसफर करा लिए। बैंक मैनेजर श्वेता शर्मा की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात मोबाइल नंबर धारक के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4) के तहत केस दर्ज किया है। वहीं, अब पुलिस मोबाइल नंबर, ई-मेल और बैंक खाते से जुड़े तकनीकी साक्ष्य जुटाकर आरोपी की पहचान और ठगी की रकम के लेनदेन की जांच कर रही है। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, 20 अगस्त को श्वेता शर्मा के मोबाइल पर एक व्यक्ति ने फोन किया। कॉल रिसीव नहीं होने पर उसने मैसेज भेजकर संपर्क किया। आरोपी ने अपना नाम प्रशांत मंधान बताया और खुद को इंटारा कार कंपनी का संचालक बताया। 21 अगस्त को उसने करीब 2 करोड़ रुपए की एफडी कराने की इच्छा जताई और ब्याज दर की जानकारी ली। बैंक मैनेजर ने 6.45 प्रतिशत ब्याज दर बताई। आरोपी ने सोमवार को बैंक आने की बात कही।




24 अगस्त को आरोपी ने फिर संपर्क किया।

## गडकरी बोले- नई पीढ़ी को जिम्मेदारी देने का समय

### अब पहले जितना काम नहीं कर सकता; बाद में सफाई- इसका राजनीति से लेना-देना नही

**नागपुर।** केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के एक बयान के बाद उनके सार्वजनिक जीवन से सेवानिवृत्ति की अटकलें शुरू हो गईं। कुछ मीडिया चैनलों ने उनके 'अब पहले जितना काम नहीं कर सकता' वाले बयान को राजनीति से जोड़कर पेश किया। इसके बाद गडकरी के कार्यालय ने साफ किया कि उनकी टिप्पणी का राजनीति से कोई संबंध नहीं था। कार्यालय ने कहा कि गडकरी लक्ष्मणराव मानकर ट्रस्ट के सामाजिक कामों के बारे में बोल रहे थे। उन्होंने कहा था कि अब वह पहले की तरह ज्यादा काम नहीं कर सकते। इसलिए नई पीढ़ी को आगे आना चाहिए और ट्रस्ट की जिम्मेदारी संभालनी चाहिए।

***आदिवासी गांवों तक विकास पहुंचाने का लक्ष्य***-नितिन गडकरी ने कहा कि ट्रस्ट का काम धीरे-धीरे फिर विस्तार कर रहा है। उनका लक्ष्य है कि एक दिन महाराष्ट्र का कोई भी आदिवासी गांव अंधेरे में न रहे और वहां विकास की रोशनी पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस तस्वीर को बदलना ही ट्रस्ट का काम है। उन्होंने शिक्षकों से अपने व्यक्तित्व, काम और क्षमता को बेहतर बनाने की अपील की साथ ही कहा कि लोगों के अच्छे गुणों से सीखना चाहिए। व्यक्तित्व को मजबूत बनाने के बाद समाज और गरीबों के लिए समय देना चाहिए और अंधेरे में जीवन जी रहे लोगों की जिंदगी में रोशनी लाने के लिए काम करना चाहिए।



***सेहत को भी बताया जरूरी***-नितिन गडकरी ने अपनी जीवनशैली का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राजनीति के शुरुआती दिनों में वह हर परिस्थिति में काम करते थे।

और यात्रा के दौरान जो मिलता था, वही खाते थे। कोविड के बाद उन्होंने जीवन में अनुशासन लाया और अब नियमित रूप से योग करते हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में पद, सत्ता और प्रतिष्ठा से ज्यादा जरूरी अच्छी सेहत है। अगर स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो पद और सत्ता का क्या फायदा।

## संक्षिप्त समाचार

### मंदिर में हुई चोरी को लेकर भक्त नाराज एक सप्ताह का अल्टीमेटम

**बेमेतरा ।** मंगलवार को मावली माता मंदिर परिसर मारो में नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं की अति आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में हाल ही में माता के आभूषणों की चोरी की घटना को लेकर गहरा आक्रोश देखने को मिला।

बैठक में मुख्य रूप से मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था, मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने, पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपने और आरो पुलिस चौकी में पुलिस बल की कमी के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई।

**बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने सर्वसम्मति से 5 महत्वपूर्ण निर्णय लिए -**

1. नवरात्रि पर ही होगा सोने-चांदी के आभूषणों से श्रृंगारः निर्णय लिया गया कि अब सोने-चांदी के बने कीमती आभूषणों से माता का श्रृंगार केवल नवरात्रि पर्व के दौरान ही किया जाएगा। सामान्य दिनों में आभूषण सुरक्षित स्थान पर रखे जाएंगे। 2. मंदिर में लगेंगे सीसीटीवी कैमरेः सुरक्षा को मजबूत करने के लिए मंदिर परिसर में जल्द ही सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इस पर सभी ने अपनी सहमति दी। 3. मुख्य द्वार पर लगेगा चैनल गेटः सुरक्षा के मद्देनजर मंदिर के मुख्य द्वार एवं निकासी द्वार पर चैनल गेट लगाने का निर्णय लिया गया। 4. पुलिस अधीक्षक से मिलेंगे, कार्रवाई न होने पर चक्का जामः चोरी की घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक से मिलकर चर्चा करने का निर्णय लिया गया। बैठक में यह भी तय किया गया कि यदि एक सप्ताह के भीतर इस मामले में उचित कार्यवाही नहीं होती है, तो रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे के नारायणपुर चौक पर चक्का जाम किया जाएगा। 5. चोर का सुराग देने वाले को 21000 रुपये का इनामः चोर की जानकारी या कोई ठोस सुराग देने वाले व्यक्ति को मंदिर समिति द्वारा 21000 रुपये का नगद पुरस्कार देने की घोषणा की गईहै।

### पामगढ़ ब्लॉक के शिक्षक 27 अगस्तसे अनिश्चित कालीन आंदोलन होंगे शामिल

**जांजगीर ।** प्रदेश के शिक्षक लम्बे समय से अपनी मांगों को लेकर समय समय पर आंदोलन करते आ रहे हैं लैकिन शासन प्रशासन की उदासिनता के कारण उन्हें अनिश्चित कालीन आंदोलन करने पर विवश होना पड़ा है शिक्षक अपनी मांग छत्तीसगढ़ में पूर्व से सेवारत शिक्षकों को टेट की अनिवार्यता में छूट प्रदान करने तथा वरिष्ठता के आधार पर प्रमोशन करने और मोदी की गारंटी में शामिल वेतन विसंगति दूर कर क्रमोन्नत वेतन देते हुए प्रथम नियुक्ति से सेवा गणना कर पूर्ण पेंशन को लेकर पामगढ़ विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जिसमें प्रमुख रूप से शिक्षक साझा मंच के ब्लॉक संयोजक अजय कुमार मधुकर

, महेन्द्र कुमार दिव्य, रामकुमार देवांगन, महेन्द्र कुमार मरावी एवं पुष्पलता कृष्णा उपस्थित रहे

# धान-चावल के बीजों से सजेगी इस बार राखी, भाई-बहन के स्नेह के साथ मिलेगा हरियाली का संदेश

### ■कलेक्टर, एसपी और डीएफओ को बिहान दीदियों ने पहनाई बीज राखी

**बलौदाबाजार ।** जिले में इस बार रक्षाबंधन पर्व भाई-बहन के स्नेह के साथ हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देगा। बिहान से जुड़ी स्व-सहायता समूह की महिलाएं धान, चावल, लौकी, करेला, सेमी सहित स्थानीय बीजों से आकर्षक और पर्यावरण हितैषी राखियां तैयार कर रही हैं। ग्राम लाहोद की महिलाओं द्वारा तैयार इन बीज राखियों की बिक्री से उन्हें अतिरिक्त आमदनी भी हो रही है।

इसी क्रम में बिहान की महिलाओं ने मंगलवार को संयुक्त जिला कार्यालय में बिक्री हेतु स्टॉल लगाया।स्टॉल का अवलोकन करने पहुंचे कलेक्टर कुलदीप शर्मा, पुलिस अधीक्षक गौरव राय, वनमंडलाधिकारी पंकज कुमार कमल एवं जिला पंचायत सीईओ सु दिव्या अग्रवाल को दीदियों ने अपने हाथों से तैयार बीज राखियां पहनाईं। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप महिलाओं को नवाचार और आजीविका से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बिहान दीदियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बीज राखी महिलाओं के हुनर और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के साथ पर्यावरण संरक्षण का सुंदर संदेश भी देती है।

### अल्ट्राटेक बैकुंठ में आस्था का सैलाब, रुद्राभिषेक के बाद भंडारे में उमड़ी भीड

**तिल्दा नेवरा ।** अल्ट्राटेक बैकुंठ सीमेट परिसर में श्रावण मास के अंतिम सोमवार को श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। श्री हनुमान मंदिर परिसर में विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्री शिव रुद्राभिषेक एवं हवन-पूजन का आयोजन किया गया। सुबह से शुरू हुआ धार्मिक आयोजन शाम तक चला, जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, कॉलोनीवासी और आसपास के श्रद्धालु शामिल हुए। पं. केशरी लाल एवं पं. मनोज तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक एवं पूजन संपन्न कराया। इस दौरान यूनिट हेड कुलकर्णी सपत्नीक मौजूद रहे। फंक्शनल हेड राजीव सिंघल, सुनंदा बाशु, ए.के. सिन्हा,अभिषेक तेवतिया ,विवेक बघेल, अशोक मिश्रा, समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी पूजा में शामिल हुए।

### नवचेतना समाजसेवी संगठन द्वारा हरियाली सावन महोत्सव एवं तीज मिलन कार्यक्रम हर्षोल्लास से संपन्न

**बालोद ।** नवचेतना समाजसेवी संगठन द्वारा मंदिर परिसर में हरियाली सावन महोत्सव एवं तीज मिलन कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान शिव-पार्वती एवं माता रानी की पूजा-अर्चना से हुई। संगठन की मातृशक्तियों ने माता रानी को सुहाग का सामान अर्पित किया और उसके बाद उसे प्रसाद स्वरूप सभी सुहागिनों में वितरित किया। सावन के पावन अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक हरे परिधान में सज-धज कर सावन के गीतों पर खूब ठुमके लगाए। कार्यक्रम को और भी आकर्षक बनाने के लिए मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। खेलों में प्रथम पुरस्कार किरण साहू पार्षद एवं सरिता साहू रहीं, द्वितीय पुरस्कार विजेता प्रेमा बघेल एवं तृतीय पुरस्कार मेनका साहू को दिया गया । पूरे कार्यक्रम में खुशी और उत्साह का माहौल बना रहा। कार्यक्रम के प्रारंभ से अंत तक सावन के गानों में बहनें झूमती रहीं। संगठन की संयोजिका पद्मिनी देवेंद्र साहू ने बताया कि तीज मिलन का उद्देश्य हमारी परंपरा को जीवित रखना और महिलाओं में आपसी प्रेम और एकता को बढ़ाना है। सावन का महीना श्रृंगार का ,भक्ति का, उल्लास का होता है, इसलिए शिवजी और मां अंबे की पूजा के पश्चात सोलह सिंगार में सुहागिनों ने यह उत्सव मनाया।

इस अवसर पर संगठन की पदाधिकारी पद्मिनी देवेंद्र साहू(अध्यक्ष), दुर्गा जोशी(उपाध्यक्ष), डिलेश्वरी साहू(सचिव), रुक्मणी कोसरे, सरिता साहू, मेनका साहू ,द्रौपदी साहू ,सुशीला गरिहा, ज्योति कौशल, वीणा बघेल,समिति के सदस्य सहित और अन्य मातृशक्तियां रोहिणी बहन, किरण साहू पार्षद, प्रेमा बघेल,प्रीति बाला, गायत्री साहू, योगिता साहू व अन्य बड़ी संख्या में मात्रृशक्तियां उपस्थित रहीं।

# खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के चार शिक्षक IISER पुणे में हुए प्रशिक्षित

**खैरागढ़ ।** पीएमश्री योजना अंतर्गत भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान में आयोजित चार दिवसीय शिक्षक क्षमता संवर्धन कार्यशाला में राज्यभर के 100 शिक्षकों ने भाग लिया, जिसमें खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के चार शिक्षक भी शामिल रहे। ये आयोजन शिक्षामंत्री के निर्देशन, स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, समग्र शिक्षा आयुक्त किरण कौशल के मार्गदर्शन तथा राज्य समन्वयक आशीष गौतम के संयोजन में हुआ।

जिले से पीएमश्री शा.प्रा.शा. कुकुरमुड़ा की कुसुम लता ध्रुव, प्रा.शा. लालपुर की तारण गहरवाल, हटबंजा के संजय जांगड़े और गंडई के कोठारी सर ने प्रतिनिधित्व किया। कार्यशाला में पद्मश्री अरविंद गुप्ता ने विशेष रूप से शिरकत की। उन्होंने बालमनोविज्ञान आधारित शिक्षण पद्धति पर जोर देते हुए कहा कि कोई बच्चा खराब नहीं होता, स्कूल ही उन्हें बिगाड़ते हैं। उन्होंने कबाड़ सामग्री से वैज्ञानिक खिलौने बनाकर शिक्षकों को नवाचार की प्रेरणा दी। कार्यशाला का उद्घाटन द्वद्वस्श्वक्र पुणे की प्रो. देवप्रिया चटोपाध्याय के संदेश से हुआ। प्रशिक्षण समन्वयक अनुराग जॉन एवं भागवत साहू की देखरेख में शिक्षकों को कंप्यूटेशनल थिंकिंग, गतिविधि-आधारित गणित-विज्ञान शिक्षण और आधुनिक मूल्यांकन तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। शिक्षकों ने कल्पगृह विज्ञान केंद्र का भ्रमण कर हैंड्स-ऑन गतिविधियों, खगोल विज्ञान व पर्यावरण संबंधी जानकारी भी प्राप्त की।

### मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के खिलाफ कथित जातिवादी टिप्पणी को लेकर सर्व आदिवासी समाज ने सौंपा ज्ञापन

**बालोद।** छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज जिला बालोद द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के संबंध में सोशल मीडिया पर कथित रूप से की जा रही जातिवादी एवं आपत्तिजनक टिप्पणियों के विरोध में थाना प्रभारी, थाना गुण्डरदेही को ज्ञापन सौंपकर संबंधित सोशल मीडिया आईडी एवं व्यक्तियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की गई।

समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि सोशल मीडिया एवं इंटरनेट मीडिया के माध्यम से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विरुद्ध आपत्तिजनक एवं जातिवादी टिप्पणियां किए जाने से आदिवासी समाज की भावनाएं आहत हो रही हैं। इस प्रकार की टिप्पणियां सामाजिक सौहार्द एवं आपसी भाईचारे को प्रभावित कर सकती हैं। ज्ञापन में मांग की गई कि सोशल मीडिया पर की गई ऐसी आपत्तिजनक पोस्ट एवं टिप्पणियों की जांच कर संबंधित व्यक्तियों की पहचान की जाए तथा नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने वाली संबंधित आईडी के विरुद्ध भी आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की गई। छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन किसी भी समाज, समुदाय या संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति के खिलाफ जातिगत एवं अपमानजनक टिप्पणी को उचित नहीं ठहराया जा सकता। समाज ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र उचित कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान पूर्व विधायक राजेंद्र राय,भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर, ब्लॉक अध्यक्ष अर्जुन सिंह तारम,रामदयाल सोरी,थानसिंह मंडावी,पार्षद संतोष नेताम ,पार्षद शैल महोबिया ,एल्डरमैन गोकुल निषाद ,चेतन सोनकर,पुरेंद्र सिंह प्रमोद कुमार कंवर, डीआर ठाकुर, एआर ठाकुर ,सुशील कुमार,सूरजभान यादव,भुनेश कुमार ,योगेश्वर साहू, बाहरू राम,प्रकाश नेताम सहित छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज जिला बालोद के पदाधिकारी सामाजिक कार्यकर्ता एवं अन्य समाजजन उपस्थित रहे।

# कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक को दिए 25 हजार रुपए, प्रशस्ति पत्र से बढ़ाया

### ■हादसे में घायलों की जान बचाने वाले पांच राहवीर सम्मानित

**बलौदाबाजार ।** सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की तत्काल मदद कर उनकी जान बचाने वाले पांच राहवीरों को जिला प्रशासन एवं बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने सम्मानित किया। मंगलवार को संयुक्त कार्यालय बलौदाबाजार में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर कुलदीप शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने राहवीरों को प्रशस्ति पत्र एवं 25-25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर उनके मानवीय कार्य की सराहना की। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की राहवीर योजना के तहत दुर्घटना के बाद गोल्डन आवर में घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाने में योगदान देने वाले नागरिकों को प्रोत्साहित किया जाता है। इसी क्रम में सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों की मदद करने वाले विष्णु साहू निवासी कसडोल, पुनीत राम निवासी सिमगा, परदेशी राम सोनकर निवासी सिमगा, मनीष निषाद निवासी सिमगा और लोकेश साहू निवासी हथबंद को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में अधिकारियों ने कहा कि सड़क हादसे के तुरंत बाद घायल व्यक्ति की मदद के लिए आगे आना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। समय पर अस्पताल पहुंचने से घायल की जान बचने की संभावना काफी बढ़ जाती है। ऐसे समय में लोग अक्सर कानूनी प्रक्रिया या पुलिस पूछताछ के डर से मदद करने से पीछे हट जाते हैं, जबकि राहवीर योजना मददगार नागरिकों का मनोबल बढ़ाने का कार्य कर रही है।

पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने कहा कि दुर्घटना में घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाना अत्यंत पुण्य एवं अनुकरणीय कार्य है। पांचों राहवीरों का साहस और संवेदनशीलता पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना में पीड़ित की मदद करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की कि सड़क दुर्घटना होने पर बिना भय के तत्काल घायलों की सहायता करें और उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाने में सहयोग करें।

### बिलासपुर एयरपोर्ट के विकास को लेकर हाईकोर्ट सख्त, एएआई को जल्द निर्णय लेने

**बिलासपुर ।** बिलासपुर में हवाई सुविधा और एयरपोर्ट विस्तार से जुड़ी जनहित याचिकाओं पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) की ओर से राज्य सरकार के उस प्रस्ताव की जानकारी दी गई, जिसमें एयरपोर्ट के संचालन, रखरखाव और विकास कार्यों की जिम्मेदारी एएआई को सौंपने की बात कही गई है। एएआई ने अपने जवाब में बताया कि राज्य सरकार के प्रस्ताव पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है। इस संबंध में समझौता ज्ञापन (एमओयू) का मसौदा भी तैयार किया जा रहा है। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने मामले में अधिक देरी नहीं करने और सकारात्मक रुख अपनाते हुए जल्द निर्णय लेने का निर्देश एएआई को दिया। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि एयरपोर्ट पर जन सुविधा भवन का निर्माण कार्य निर्धारित समय से पीछे चल रहा था। इस मामले को मंत्रालय और कलेक्टर स्तर पर गंभीरता से लिया गया है। राज्य सरकार ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि हाईकोर्ट द्वारा निर्धारित नई समय-सीमा के अनुसार जन सुविधा भवन का निर्माण 20 अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके अलावा एयरपोर्ट की बाउंड्री वॉल और पेरीफेरी रोड के डामरीकरण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और कार्य आदेश भी जारी कर दिया गया है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आशीष श्रीवास्तव और सुदीप श्रीवास्तव ने बिलासपुर से उड़ानों की संख्या में आई कमी का मुद्दा हाईकोर्ट के सामने रखा। उन्होंने विशेष रूप से बिलासपुर-जबलपुर-दिल्ली मार्ग की उड़ान बंद होने का मामला उठाया। इस पर राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि अक्टूबर में लागू होने वाले विंटर शेड्यूल को लेकर आवश्यक विचार-विमर्श किया जा रहा है। सरकार की कोशिश है कि बिलासपुर एयरपोर्ट से उड़ानों की संख्या बढ़ाई जाए और यात्रियों को बेहतर हवाई सुविधा उपलब्ध हो।

### रैली के साथ मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया ज्ञापन

**जांजगीर ।** छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के प्रांतीय आह्वान पर टेट मुक्ति रैली के साथ मुख्यमंत्री,शिक्षा मंत्री,शिक्षा सचिव,संचालक लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर के नाम सृजल साहू नायब तहसीलदार व डीईओ कार्यालय में मनहरण थवाईत को ज्ञापन सौंपा गया। रैली को संबोधित करते हुए संतोष शुक्ला,सत्येंद्र सिंह,विकास सिंह,जिला उप संयोजक डॉ.बोधीराम साहू,योगेंद्र शुक्ला ,श्याम स्वरूप शुक्ला सहित पदाधिकारियों ने बताया कि आज रैली के माध्यम से जिले के शिक्षकों ने एकता का परिचय देते हुए अपनी आवाज बुलंद किए।यदि शासन हमारी मांगो को अनदेखा करता है तो आगे और भी रणनीति बनाकर आंदोलन किया जावेगा। रैली कर 5 सूत्रीय मांगो के सौपे गए ज्ञापन में टेट (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता से मुक्ति दिलाने की मांग इस आंदोलन का मुख्य एजेंडा रहा है, सेवा की सुरक्षा व पदोन्नति हेतु टेट परीक्षा से राहत दिया जावे।शिक्षकों के लिए पूर्ण सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ पूर्व सेवा अवधि को जोड़ते हुए पेंशन व अन्य हित लाभ दिए जाने की मांग ,राज्य के शिक्षकों को राज्य शासन केंद्रीय वेतनमान के समान लाभ देते हुए वेतन विसंगति को दूर की जावे। 13 फरवरी 2026 के भर्ती व पदोन्नति नियम में शिक्षकों के लाभ सुनिश्चित कर आवश्यक संशोधन करने की मांग की गई है। शिक्षकों की सेवा व पदोन्नति हेतु ब्रिज कोर्स के जरिए बी.एड. कराए जाने संबंधी महत्वपूर्ण बिंदु को भी ज्ञापन में शामिल किया गया है।

### सोलर पैनल शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक भोलाराम साहू

**राजनांदगांव ।** पुराना बस स्टैंड, टांका पारा रोड राजनांदगांव में आयोजित सोलर पैनल शुभारंभ कार्यक्रम में खुज्जी विधायक श्री भोलाराम साहू शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने सोलर पैनल के शुभारंभ कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण पहल बताया।

कार्यक्रम में डोंडी लोहारा विधायक श्रीमती अनिला भेड़िया , डोंगरगांव विधायक श्री दलेश्वर साहू , बालोद विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा तथा राजनांदगांव की पूर्व महापौर श्रीमती हेमा देशमुख सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विधायक श्री भोलाराम साहू ने कहा कि सौर ऊर्जा पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ऊर्जा की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने का बेहतर और टिकाऊ विकल्प है।

# उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कवर्धा विधानसभा के 171 मेधावियों का किया सम्मान, प्रतिभा को मिला बड़ा मंच और सपनों को नई उड़ान

**कवर्धा ।** मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर सफलता हासिल करने वाले कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के 171 मेधावी विद्यार्थियों के लिए यह दिन खास और यादगार रहा। पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम, कवर्धा में आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि के चेक एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कवर्धा में पहली बार इतने बड़े स्तर पर आयोजित इस समारोह में वनांचल क्षेत्र के विद्यालयों के प्रतिभावान विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इस पहल ने ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में पढ़ने वाले बच्चों की प्रतिभा को पहचान और प्रोत्साहन देने का संदेश दिया। समारोह के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विद्यार्थियों से आत्मीयता के साथ सीधा संवाद किया। उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताया, उनकी पढ़ाई और रुचियों के बारे में जाना तथा उनके सवालों और जिज्ञासाओं पर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरक पुस्तकें भी भेंट कीं, ताकि उनमें पढ़ने और सीखने की आदत को और बढ़ावा मिले। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के साथ सेल्फी लेकर उनके साथ खुशियां भी साझा कीं। कार्यक्रम की एंकर अनुराधा दुबे ने भी अपनी प्रेरक और उत्साहवर्धक बातों से विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। पूरे समारोह में विद्यार्थियों में उत्साह और खुशी का माहौल रहा। सम्मान, संवाद और प्रोत्साहन से भरे इस आयोजन ने मेधावी विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को और निखारने तथा भविष्य में बड़ी

उपलब्धियां हासिल करने के लिए नई ऊर्जा दी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि कवर्धा की धरती प्रतिभाओं से भरी हुई है। आज सम्मानित हो रहे ये मेधावी विद्यार्थी अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर आने वाले समय में नई ऊंचाइयां हासिल करेंगे। कवर्धा की यह प्रतिभा आगे चलकर न केवल जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेगी, बल्कि एक दिन देश का गौरव बनेगी। मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में कक्षा 10वीं में 90 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 5-5 हजार रुपये तथा कक्षा 12वीं में 90 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 10-10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया गया। इसके साथ ही सभी चयनित विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य रामकुमार भट्ट, रामकिंकर वर्मा, निर्मल द्विवेदी, हरीश लुनिया, कलेक्टर मती तुलिका प्रजापति, डीएफओं निखिल अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओं अभिषेक अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, स्कूली विद्यार्थी, पालकगण, शिक्षक, शाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष उपस्थित थे।

# स्वच्छता दीदियों के सम्मान में आयोजित होगा विशेष समारोह

**भाटापारा ।** नगर पालिका परिषद में नगर की स्वच्छता व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली स्वच्छता दीदियों के सम्मान एवं अभिनंदन के लिए विशेष सम्मान समारोह का आयोजन महंत रामरूप दास महात्यागी जी के सानिध्य में किया जा रहा है। यह गरिमामय कार्यक्रम 27 अगस्त को दोपहर 3 बजे राम-जानकी मंदिर, कल्याण सागर, भाटापारा में आयोजित होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाने में निरंतर जुटी स्वच्छता दीदियों के समर्पण, परिश्रम और सेवाभाव को सम्मानित करना है। स्वच्छता दीदियां प्रतिदिन नगर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके श्रम और योगदान के प्रति सम्मान

प्रकट करने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। कल्याण सागर से जल लेकर राम-जानकी मंदिर में करेंगी अर्पण कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण स्वच्छता दीदियों द्वारा कल्याण सागर से जल उठाकर राम-जानकी मंदिर में अर्पित करना होगा। स्वच्छता और आस्था के इस सुंदर संगम के माध्यम से नगर की स्वच्छता, समृद्धि एवं सुख-शांति की मंगलकामना की जाएगी। इस अवसर पर महंत रामरूप दास महात्यागी जी का पावन सान्निध्य प्राप्त होगा। साथ ही पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा एवं नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा,डॉ ललित माखीजा,प्रदेश अध्यक्ष विहिपसहित जनप्रतिनिधि,सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं समाज प्रमुख उपस्थित रहेंगे।

महंत रामरूप दास महात्यागी जी ने कहा कि स्वच्छता दीदियां केवल नगर की सफाई व्यवस्था का हिस्सा नहीं, बल्कि स्वच्छ एवं सुंदर भाटापारा के निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### साप्ताहिक जनदर्शन में अपनी मांग एवं शिकायतों को लेकर पहुंचे 45 आवेदक

**जांजगीर-चांपा ।** कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज साप्ताहिक जनदर्शन के माध्यम से जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों और मांगों को संवेदनशीलता से सुना। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों का समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 45 आवेदन प्राप्त हुए।

आज जनदर्शन में तहसील जांजगीर के ग्राम खोखरा निवासी श्रीमती निशा सूर्यवंशी द्वारा नया राशनकार्ड जारी करवाने, ग्राम सिवनी (नैला) निवासी सनत कुमार पांडेय द्वारा सीमांकन करवाने, तहसील मुख्यालय के कैलाश नगर निवासी भीषम राठौर द्वारा किसान पोर्टल के खसरा में नाम सुधार करवाने के संबंध में, चांपा निवासी सईद अहमद खान पेंशन स्लिप पर्ची में आवश्यक सुधार करवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

# भाजपा नेता स्वाधीन जैन के जन्मदिवस के अवसर पर हुआ न्योता भोज, 212 बच्चों ने लिया भोजन का लाभ

**बालोद ।** स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, नया बाजार राजहरा के प्राथमिक शाला अंग्रेजी माध्यम में भाजपा नेता स्वाधीन जैन जी के जन्मदिवस के अवसर पर न्योता भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के 212 बच्चों को स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन परोसा गया। न्योता भोज में बच्चों को खीर, पूरी, छोले की सब्जी, पापड़, दाल फ्राई एवं चावल परोसा गया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक भोजन ग्रहण किया और जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित इस आयोजन का आनंद लिया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने कहा कि जन्मदिवस जैसे विशेष अवसरों पर बच्चों के साथ खुशियां साझा करना समाज में सेवा, सहयोग एवं संवेदनशीलता की भावना को बढ़ावा देता है। बच्चों के बीच इस प्रकार का आयोजन निश्चित रूप से सराहनीय एवं प्रेरणादायी पहल है। कार्यक्रम में

प्रभारी प्राचार्य महेश कुमार गोरे सर जी, नगर पालिका उपाध्यक्ष मनोज दुबे जी, पूर्व शाला प्रबंधक समिति अध्यक्ष अजय छाजेड़ जी, भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जयदीप गुप्ता जी, आशीष लालवानी जी, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ नगर संयोजक मनन गुप्ता सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं अंग्रेजी साक्षी साहू अंग्रेजी मध्यम प्रभारी, भूमिजा सार्वा, दिलप्रीत भाटिया एवं टुमन सिन्हा सर जी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने स्वाधीन जैन जी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल एवं सुखद भविष्य की कामना की।

# चिचोला से डोंगरगढ़ के लिए निकली कांवड़ यात्रा, चुम्मन साहू ने किया भव्य स्वागत

**छुरिया ।** सावन सोमवार के पावन अवसर पर चिचोला राम मंदिर से 100 से अधिक कांवड़िए पवित्र जल लेकर डोंगरगढ़ स्थित श्री जटाशंकर महादेव मंदिर के लिए रवाना हुए। कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का जगह-जगह स्वागत किया गया।

इस दौरान पूर्व जनपद सदस्य चुम्मन साहू ने कांवड़ियों का फूल-मालाओं एवं पुष्पवर्षा से स्वागत किया। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पानी की व्यवस्था भी की। स्वागत से कांवड़ियों में उत्साह देखने को मिला। चिचोला राम मंदिर से पवित्र जल लेकर निकले कांवड़िए डोंगरगढ़ पहुंचकर श्री जटाशंकर महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। यात्रा के दौरान हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से वातावरण

भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर चुम्मन साहू ने सभी कांवड़ियों को सावन सोमवार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान भोलेनाथ सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करें तथा क्षेत्र में सुख-शांति और समृद्धि बनाए रखें।

कांवड़ यात्रा के स्वागत कार्यक्रम में चंद्रिका प्रसाद डडसेना, सरपंच चतुर पाल सिंह, एकनाथ सिन्हा, पूर्व सरपंच अतीश सिन्हा, गिरवर साहू, बेदराम ताम्रकार, अशोक वर्मा, देवेंद्र यादव, पीताम्बर सिन्हा, धिरपाल धनकर एवं टाकेश सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

# फर्जी ट्रांसफर मामले में भाजपा के दो नेताओं पर गिरी गाज, छह साल के लिए निष्कासन के बाद अब छह आरोपियों पर पुलिस जांच

**बलौदाबाजार ।** स्वास्थ्य विभाग में फर्जी स्थानांतरण आदेश तैयार कर सरकारी कर्मचारी का मनचाहा तबादला कराने के मामले में पुलिस कार्रवाई के बाद अब भाजपा संगठन ने भी कड़ा रुख अपनाया है। भाजपा प्रदेश कार्यालय ने जिला महामंत्री कृष्णा अवस्थी और जिला उपाध्यक्ष पुनीराम पटेल को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया है। दोनों के खिलाफ यह कार्रवाई पार्टी की छवि धूमिल करने वाली गतिविधियों और अनुशासनहीनता के आरोपों के चलते की गई है। वहीं, मामले में पुलिस अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। मामला रोहांसी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ ग्रामीण चिकित्सा सहायक (आरएमए) करण कुमार देवांगन के कथित फर्जी स्थानांतरण आदेश से जुड़ा है। करण ने 17 अगस्त को बीएमओ, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पलारी के समक्ष एक आदेश प्रस्तुत किया था, जिसमें उसे रोहांसी से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोपर, विकासखंड भाटापारा स्थानांतरित किए जाने का उल्लेख था। कथित आदेश में सीएमएचओ कार्यालय का आदेश क्रमांक और 14 अगस्त 2026 की तारीख दर्ज थी। सीएमएचओ कार्यालय ने आदेश को बताया फर्जी कथित आदेश की सत्यता को लेकर संदेह होने पर बीएमओ कार्यालय ने सीएमएचओ कार्यालय से पुष्टि कराई। वहां से स्पष्ट किया गया कि ऐसा कोई स्थानांतरण आदेश जारी नहीं किया गया है। कथित आदेश पर किए गए हस्ताक्षर भी सीएमएचओ के नहीं पाए गए। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि संबंधित कर्मचारी राज्य संवर्ग का है और उसके स्थानांतरण का

अधिकार राज्य शासन के पास है। इसके बाद बीएमओ की शिकायत पर पलारी थाने में मामला दर्ज कराया गया। पुलिस ने अधिकारियों के बयान, दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की जांच के बाद भारतीय न्याय संहिता की धारा 3(5), 318(4), 336(3), 337, 338 और 340(2) के तहत अपराध दर्ज किया। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने कथित तौर पर फर्जी हस्ताक्षर और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उसे वास्तविक सरकारी

आदेश के रूप में प्रस्तुत किया।

भाजपा नेता समेत छह गिरफ्तार विवेचना के दौरान पुलिस ने मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें भाजपा जिला महामंत्री कृष्णा अवस्थी, जिला उपाध्यक्ष पुनीराम पटेल, आरएमए करण कुमार देवांगन, आरएमए रवि कुमार सेन, कृष्णा अवस्थी के पुत्र प्रणव अवस्थी तथा कंप्यूटर ऑपरेटर प्रखर कश्यप शामिल हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने कथित तौर पर फर्जी हस्ताक्षर और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उसे वास्तविक सरकारी न्यायालय के समक्ष पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि कथित फर्जी आदेश किसने तैयार किया, कंप्यूटर पर दस्तावेज किसने बनाया, फर्जी हस्ताक्षर किस तरह किए गए और उसे सरकारी कार्यालय में प्रस्तुत करने की पूरी योजना में किसकी क्या भूमिका थी। कथित रूप से हुए आर्थिक लेनदेन की दिशा में भी जांच की जा रही है। छह साल का निष्कासन पुलिस कार्रवाई के बाद भाजपा प्रदेश संगठन ने भी दोनों नेताओं पर कार्रवाई की। 25 अगस्त को प्रदेश कार्यालय से जारी अलग-अलग आदेशों में कहा गया कि पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता के कारण संगठन की छवि धूमिल हुई तथा यह पार्टी अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है।

# बैरियर चौक से लेकर सदर बाजार तक सड़क पर बड़े बड़े गड्ढों से आवाजाही में हो रही परेशानी

**चांपा ।** कोसा कांसा कंचन की नगरी चांपा आज अपनी इस परेशानियों और समस्याओं के उलझन में उलझी हुई हैं। यहां समस्याओं का अंबार नजर आ रही हैं।लगता हैं।चांपा शहर की विकाश में विराम लग चुका हैं।शहर के हर वार्ड में समस्या इतनी अधिक हो चुकी हैं की उजागर करना मुश्किल हो गया हैं।कई वार्डो में नल,नाली,बिजली,सड़क,नाली की सफाई,पानी निकाशी, आवाश,जैसे कई समस्याएं है। जिसे नगर पालिका आज तक पूर्ण नहीं कर पाई हैं। लिहाजा आमजन में आक्रोश पनप रही हैं।शहर के मुख्य व्यस्ततम मार्ग बैरियर चौक से लेकर सदर बाजार तक की सड़क इन दिनों इतनी ज्यादा जर्जर हो चुकी हैं।की सड़कों के बीचोबीच बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं।जिससे आमजन राहगीरों को आवागमन

करने में बड़ी परेशानियां हो रही हैं। गड्ढे में दो पहिया वाहन गिर कर चोटिल हो रहे हैं।और जाम जैसी समस्या निर्मित हो रही हैं।यह नगर का सबसे मुख्य व्यस्ततम मार्गो में से एक हैं। यहां दिनभर इस मार्ग से हजारों की संख्या में लोग आवाजाही करते हैं। इस मार्ग पर सभी उपयोगी आवश्यकता सामग्री दुकानें संचालित हैं। रक्षाबंधन का त्यौहार नजदीक आ रही हैं यहां महिलाएं अपने जरूरी महत्वपूर्ण सामग्री खरीदी के लिए इस मार्ग से गुजर कर सदर बाज़ार को जा रही हैं। लेकिन सड़क पर बने बड़े बड़े गड्ढों में गिर कर चोटिल हो रही हैं और आवाजाही में उन्हे बड़ी परेशानीया हो रही हैं।

सड़क के कई हिस्सों में तो सड़क से कंक्रीट बाहर आ चुकी हैं। ऐसे में आमजन को इस मार्ग पर जान जोखिम में डालकर आवागमन करने में मजबुर हैं। स्थानीय नागरिकों ने शासन प्रशाशन से अपील किया है कि इस मार्ग के सड़क को शीघ्र ही इसकी मरम्मत कराई जाए और हो रही ऐसी परेशानियों से आमजन को निजात दिलाए।

# बहनों की खुशहाली का उपहार, विष्णु भैया की सरकार - प्रेमलता राठौर के जीवन में आत्मनिर्भरता की नई राह

**जांजगीर-चांपा ।** छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए संचालित महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए निरंतर आर्थिक संबल का माध्यम बन रही है। योजना से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता से महिलाएं अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में भी योगदान दे रही हैं और आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रही हैं। जिले के ग्राम खोखरा निवासी मती प्रेमलता राठौर के जीवन में भी महतारी वंदन योजना खुशहाली और आत्मनिर्भरता का आधार बन रही है। योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता का उपयोग वे परिवार की दैनिक जरूरतों, राशन तथा अन्य घरेलू खर्चों को पूरा करने में करती हैं। इससे उन्हें अपनी छोटी-बड़ी आवश्यकताओं के लिए परिवार के अन्य सदस्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता और वे आत्मविश्वास के साथ अपनी जरूरतें पूरी कर पा रही हैं। मती प्रेमलता राठौर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना से जुड़कर आटा चक्की का संचालन भी कर रही हैं। अपने मेहनत और हुनर से वे परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में योगदान दे रही हैं। महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि का एक हिस्सा

वे आटा चक्की की मरम्मत तथा आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में भी उपयोग करती हैं। इस तरह योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके लिए केवल घरेलू जरूरतों को पूरा करने का माध्यम नहीं, बल्कि उनकी आजीविका को मजबूत करने और छोटे व्यवसाय को आगे बढ़ाने में भी मददगार साबित हो रही है। मती प्रेमलता राठौर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि महतारी वंदन योजना ने महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का काम किया है। वे कहती हैं, हमारे विष्णु भैया अपनी बहनों की जरूरत को समझते हुए रक्षाबंधन के उपहार के रूप में त्यौहार से पहले ही पैसे दे दिए हैं।

# पेयजल व्यवस्था होगी मजबूत, भाटापारा में ?5.61 करोड़ के कार्यों का भूमिपूजन

**भाटापारा ।** नगर पालिका परिषद द्वारा बुधवार, 26 अगस्त को संत रविदास वार्ड स्थित अंबेडकर चौक के पास शाम 5-30 बजे विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को प्रमाणपत्र एवं आवास की चाबी वितरण का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में रायपुर लोकसभा के सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा,भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद यादव एवं नगर पालिका परिषद भाटापारा के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप छाबड़िया,राकेश तिवारी जी भाजपा विशेष आमंत्रित सदस्य,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश रात्रे,डॉ

मोहन बांधे, भाजपा जिलाउपाध्यक्ष सुनील यदु,भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष मनिंदर सिंह गुम्बर,भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष महाबल बघेल,मंडल अध्यक्ष योगेश अनंत, जल विभाग सभापति सीता अशोक साहू एवं सभी पार्षद गण उपस्थित रहेंग कार्यक्रम के दौरान भूमिपूजन मे इंटेकवेल से फिल्टर प्लांट तक पाइप लाइन विस्तार कार्य शामिल है, जिसकी लागत ?4 करोड़ 8.81 लाख है।

इसके साथ ही ओवर हेड टैंक/पानी टंकी निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया जाएगा, जिसकी स्वीकृत लागत ?1 करोड़ 52.25 लाख है। इन दोनों कार्यों से शहर की जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों को प्रमाणपत्र एवं उनके आवास की चाबी वितरित की जाएगी। नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि भाटापारा शहर का समग्र विकास और नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर पालिका परिषद की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

# कृषि विभाग द्वारा तना छेदक एवं पत्ती मोड़क कीट की रोकथाम हेतु किसानों को सलाह

**जांजगीर-चांपा ।** धान की फसल में तना छेदक एवं पत्ती मोड़क कीट के प्रकोप को देखते हुए कृषि विभाग द्वारा किसानों को आवश्यक सावधानी बरतने एवं समय पर कीट नियंत्रण के उपाय अपनाने की सलाह दी गई है। उप संचालक कृषि ने बताया कि खेतों में अत्यधिक उर्वरकों का उपयोग तथा अधिक जल भराव होने से इन कीटों का प्रकोप बढ़ सकता है। तना छेदक कीट के प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में धान के पौधों की पत्तियां पीली पड़ने लगती हैं। पौधे के तने के निचले हिस्से में छेद दिखाई देने तथा मुख्य तने के अंदर से खोखला होने के लक्षण भी दिखाई देते हैं। बाद की अवस्था में धान की बालियां सफेद होकर पूरी तरह सूख जाती हैं। उन्होंने तना छेदक कीट की रोकथाम के लिए क्लोरोसाइपर (क्लोरपाइरीफास 50 प्रतिशत . साइपरमेथ्रिन 5 प्रतिशत) का 50 मिलीलीटर प्रति स्प्रेयर की दर से छिड़काव करने की सलाह दी है इसी प्रकार पत्ती मोड़क कीट, जिसे ग्रामीण अंचलों में 'सांवा कीट' के नाम से भी जाना जाता है, के प्रकोप में हरी इल्ली पत्तियों को मोड़कर उनके अंदर छिप जाती है और पत्तियों के हरे भाग को खाकर सफेद एवं पारदर्शी धारियां छोड़ देती है। ये पत्ती मोड़क कीट के प्रमुख लक्षण हैं। पत्ती मोड़क कीट के नियंत्रण के लिए किसानों को क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 प्रतिशत एससी का 6 से 10 मिलीलीटर प्रति स्प्रेयर अथवा एमामेक्टिन बेंजोएट 5 प्रतिशत एसजी का 8 से 10 ग्राम प्रति स्प्रेयर की दर से छिड़काव करने की सलाह दी गई है।

# वन्देमातरम् को लेकर संग्राम क्यों, क्या कांग्रेस जिन्ना के मार्ग पर जा रही है?

वन्देमातरम् को लेकर संग्राम क्यों, वन्दे मातरम् की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी पहचान किसी एक राजनीतिक दल से नहीं जुड़ी। कांग्रेस के अधिवेशनों में इसका गायन हुआ। 1896 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने इसे गाया था। स्वतंत्रता आंदोलन में यह अंग्रेजी शासन के विरुद्ध राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बना।

वन्देमातरम आज विवाद का विषय बना दिया है। जबकि यह सत्य है कि जब बंकिम बाबू ने इसकी रचना की थी, तब उनके मन में किसी के मन को आहत करने का कोई विचार नहीं था। उनका भाव केवल मातृभूमि के वंदन का था। देश में वन्देमातरम के अंतिम दो भाग का पहली बार विरोध विभाजन की मानसिकता रखने वाले मोहम्मद अली जिन्ना ने किया। आज उसी मार्ग पर कांग्रेस कदम बढ़ाती दिख रही है। यह बात सही है कि देश का सम्मान करने वाली किसी भी बात पर राजनीति नहीं होना चाहिए, लेकिन केवल वोट की चाहत के चलते ऐसा करना और भी खतरनाक हो जाता है।

वन्दे मातरम् भारत की स्वतंत्रता चेतना, मातृभूमि के प्रति समर्पण और राष्ट्रीय स्वाभिमान का ऐसा उद्घोष है, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में असंख्य भारतीयों के भीतर देशभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित की। यही कारण है कि आज जब वन्दे मातरम् के पूर्ण या आंशिक गायन को लेकर राजनीतिक बहस खड़ी होती है, तो प्रश्न केवल गीत की पंक्तियों का नहीं रह जाता, बल्कि राष्ट्रीय चेतना और राजनीतिक दृष्टिकोण का भी बन जाता है।

आज सवाल यह है कि वन्दे मातरम् पर संग्राम क्यों? कांग्रेस की ओर से यह तर्क दिया जा रहा है कि 1937 में इसके दो पदों के गायन को लेकर निर्णय हुआ था, इसलिए उसी परंपरा का पालन होना चाहिए। लेकिन 1937 की परिस्थितियों को 2026 के भारत पर उसी रूप में लागू करना कितना उचित है, इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। 1937 में भारत स्वतंत्र नहीं था। अंग्रेजी शासन था, साम्प्रदायिक तनाव थे और देश की राजनीतिक परिस्थितियां अत्यंत जटिल थीं। कांग्रेस उस समय आज की तरह सत्ता प्राप्त करने वाला चुनावी राजनीतिक दल नहीं, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन का प्रमुख राजनीतिक मंच थी। जिसमें सभी देश भक्त शामिल थे। आज की कांग्रेस उससे अलग है। वन्दे मातरम् को लेकर कांग्रेस के भीतर भी यह चर्चा हुई कि इसके कुछ अंशों को लेकर मुस्लिम समुदाय के एक वर्ग की आपत्तियों को कैसे देखा जाए। ऐतिहासिक दस्तावेज बताते हैं कि कांग्रेस कार्यसमिति ने 1937 में इस विषय पर विचार किया था और सार्वजनिक अवसरों पर पहले दो पदों के प्रयोग की व्यवस्था बनी। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या उस समय की राजनीतिक परिस्थिति आज के स्वतंत्र भारत के लिए भी अंतिम मानक होनी चाहिए? भारत आज एक संप्रभु गणराज्य है। संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को वन्दे मातरम् के ऐतिहासिक महत्व को स्वीकार



करते हुए इसे राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान सम्मान देने की व्यवस्था की थी। वन्दे मातरम् को राष्ट्रीय गीत का दर्जा प्राप्त है। इसलिए इसे केवल कांग्रेस, भाजपा या किसी अन्य राजनीतिक दल के चश्मे से देखना उचित नहीं है। यहां यह सवाल भी उठता है कि जब यह राष्ट्र गीत है, तब इसे लेकर अराष्ट्रीय कार्य करने की राजनीति क्यों की जा रही है। यह आत्म मंथन का विषय हो सकता है। यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य स्पष्ट करना भी आवश्यक है। वन्दे मातरम् संविधान के मूल पाठ में लिखकर नागरिकों के लिए अनिवार्य गायन के रूप में शामिल नहीं था।

लेकिन चूँकि वन्देमातरम गाने को लेकर क़ानून बन गया है, तब सभी को इसका पालन करना ही चाहिए, कांग्रेस को भी। आज अगर कांग्रेस इसका विरोध करती है, तो इसे संविधान का अपमान ही कहा जाना उचित होगा। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय गीत को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं और इसके पूर्ण छह अंतरे वाले संस्करण को सार्वजनिक प्रसारण में बढ़ावा दिया गया है। जुलाई 2026 में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण कानून में संशोधन का प्रस्ताव भी लाया गया, जिसमें राष्ट्रीय गीत को जानबूझकर रोकने या उसके गायन में व्यवधान डालने के विरुद्ध कानूनी संरक्षण देने की बात है। इसलिए बहस को तथ्यों के आधार पर ही आगे बढ़ाना चाहिए।

# एथनॉल नीति पर फिर से विचार हो

**करन सिंह होरा**
संपादक
साकार भारत

**प्रमोद भार्गव।** केंद्र सरकार ने 10 साल में पहली बार चीनी आयात करने का फैसला लिया है। चीनी अब डॉलर देकर विदेश से मंगाई जाएगी। जबकि 2022 तक ईयू और यूएस को तय कोटा निर्यात के बाद यह प्रतिबंध लगाना पड़ता था कि अब और चीनी निर्यात नहीं की जाए, जिससे घरेलू मांग की पूर्ति आसान बनी रहे और चीनी महंगी भी न हो। अब यह स्थिति निर्मित हो गई है कि घर-घर में इस्तेमाल की जाने वाली चीनी का भंडार पिछले साल की तुलना में 20 प्रतिशत कम हो गया है। इस कमी का प्रमुख कारण गन्ने का उपयोग एथनाल बनाने में किया जाना माना जा रहा है। भारत में पहले से ही अनाज से शराब बनाई जा रही है। खाद्य उपज से पेट्रोल और शराब का बड़ी मात्रा में निर्माण नीति-नियंताओं की अदूरदर्शिता प्रकट करती है। बीते दो माह के भीतर चीनी की कीमतें उछलकर 40 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। आगे रक्षाबंधन, गणेश महोत्सव और कृष्ण जन्माष्टमी जैसे बड़े त्योहार हैं, जिनमें मिठाई और प्रसाद वितरण के लिए चीनी की बड़ी मांग बनी रहती है। इसके तत्काल बाद नवदुर्गा, विजयदशमी और दीपावली जैसे बड़े पर्व हैं, जिनमें चीनी की सर्वाधिक खपत होती है। यदि समय पर चीनी आयात नहीं हो पाती है तो चीनी के दाम आसमान छूने लग जाएंगे। हालांकि सरकार यह जता रही है कि पेट्रोल में एथनाल की मात्रा बढ़ाने से चीनी महंगी नहीं हुई है, बल्कि खराब मौसम के चलते गन्ने की फसल की कम पैदावार के कारण देश में चीनी का उत्पादन कम हुआ है। सरकार एक अन्य कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी के दामों में वृद्धि बता रही है। सरकार ई-20 एथनाल पेट्रोल के उत्पादन पर अंकुश लगाने को तैयार नहीं है। यही कारण है कि सरकार ने ई-10 यानी 10 प्रतिशत एथनाल मिश्रित पेट्रोल बनाने के सुझावों को सिरे से खारिज कर दिया है। देश में एथनाल उत्पादन की क्षमता तेजी से बढ़कर 2000 करोड़ लीटर प्रतिवर्ष से ज्यादा हो गई है, जबकि पेट्रोल वाहनों में एथनाल मिला पेट्रोल उपयोग करने से वाहन का माइलेज प्रभावित हो रहा है। बावजूद इसके एथनाल निर्माण के नए संयंत्रों का निर्माण हो रहा है। इस सेक्टर को बैंकों ने एक लाख करोड़ रुपये का कर्ज दिया हुआ है। अब सरकार की दुविधा यह है कि यदि पेट्रोल में ब्लेंडिंग घटाई गई तो हजारों करोड़ के बैंक ऋण और देसी-विदेशी निवेश डूबने का संकट बढ़ जाएगा।

# चीन बना रहा अमेरिका को तबाह करने वाले हाइपरसोनिक हथियार

डोनाल्ड ट्रंप पिछले दिनों चीन की यात्रा कर चुके हैं और अब उन्होंने दावा किया है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग दो सप्ताह के भीतर अमेरिका आने वाले हैं। सामने से दिख रहा है कि दोनों देशों के नेता बातचीत कर रहे हैं, उच्चस्तरीय संपर्क बनाए हुए हैं और दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं तनाव को नियंत्रित करने का संदेश दे रही हैं।

लेकिन इस कूटनीतिक मुस्कान के पीछे हकीकत बिल्कुल अलग है। वॉशिंगटन और बीजिंग के बीच एक नया शीत युद्ध पूरी रफ्तार से चल रहा है और उससे भी ज्यादा खतरनाक बात यह है कि दोनों पक्ष भविष्य के संभावित युद्ध की तैयारी अभी से कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि व्यापार, तकनीक, ताइवान, दक्षिण चीन सागर और इंडो-पैसिफिक में प्रभाव की लड़ाई अब कूटनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं रह गयी है। चीन अपनी मिसाइल और हाइपरसोनिक ताकत को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है, जबकि अमेरिका प्रशांत महासागर के द्वीपों, सैन्य ठिकानों और सहयोगी देशों के नेटवर्क के जरिए बीजिंग को घेरने की रणनीति तैयार कर रहा है। यानी सामने बातचीत है, लेकिन पर्दे के पीछे युद्ध की शतरंज बिछ चुकी है। इस उभरते टकराव में चीन का सबसे नया और सबसे खतरनाक कदम उसकी हाइपरसोनिक क्षमता से जुड़ा है। रिपोर्टों के मुताबिक चीनी सेना ने ऐसे हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल विकसित किए हैं, जो हवा से हवा में मार करने वाले हथियार लॉन्च कर सकते हैं। यह क्षमता अमेरिका के उन महंगे और अत्यंत महत्वपूर्ण विमानों के लिए बड़ा खतरा बन सकती है, जो अब तक युद्धक्षेत्र से हजारों किलोमीटर दूर रहकर अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाते थे। चीन का निशाना केवल किसी लड़ाकू विमान को गिराना नहीं है। उसकी रणनीति अमेरिका की पूरी एयर ऑपरेशन आर्किटेक्चर को चोट पहुंचाने की है। अमेरिकी टैंकर विमान, एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम और श्व-4क्क जैसे उड़ते कमांड पोस्ट अमेरिका की सैन्य ताकत की रीढ़ हैं। टैंकर लड़ाकू विमानों को लंबी दूरी तक पहुंच देते हैं, ्रङ्खष्टस्न दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखता है और एयरबोर्न कमांड प्लेटफॉर्म युद्ध संचालन को नियंत्रित करते



हैं। अगर चीन इन दूर लेकिन निर्णायक लक्ष्यों तक पहुंचने की क्षमता हासिल कर लेता है, तो अमेरिका की पूरी हवाई युद्ध प्रणाली दबाव में आ सकती है। चीन की मिसाइल ताकत का पैमाना भी इस खतरे को और गंभीर बनाता है। अमेरिकी आकलन के अनुसार चीन के पास 2024 तक कम से कम 3,150 बैलिस्टिक मिसाइलें और लगभग 300 ग्राउंड लॉन्च्ड क्रूज मिसाइलें थीं। छ्वस्न-17 से लॉन्च किया गया हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल लगभग 1,500 मील तक जा सकता है, जबकि छ्वस्न-27 की अनुमानित रेंज लगभग 5,000 मील है। यानी चीन अब केवल अपने तटीय क्षेत्र की रक्षा की तैयारी नहीं कर रहा, बल्कि अमेरिकी सैन्य ठिकानों और दूरस्थ ऑपरेशनल नेटवर्क को भी खतरे में लाने की क्षमता बढ़ा रहा है। हालांकि इस हथियार के इस्तेमाल की अपनी जटिलताएं भी हैं। हजारों किलोमीटर दूर उड़ते विमान को निशाना बनाने के लिए बेहद सटीक और लगातार अपडेट होने वाली टारगेटिंग जानकारी चाहिए।

सबसे बुरा होता है

"अपनों का एकाएक हाथ छोड़ देना,
दोस्त का मुश्किल में साथ छोड़ देना
हौसला देने वाली मन की ताक़त का,
एकाएक हमारा यक़ीन तोड़ देना!!"

कविता"आत्मा"



Kavita Sharma Kaushik

# विपक्ष का एकमात्र एजेंडा संसद ठप करना

हमारे राजनीतिक समुदाय के कुछ हिस्सों में लोकतांत्रिक चिंता के नाम पर अब एक अजीब तरीका अपनाया जा रहा है-संसद में बाधा डालना, प्रश्नकाल न होने देना, मंत्रियों की बात न सुनना, बहस के प्रस्तावों को ठुकराना और फिर लेख लिखकर अफसोस जताना कि संसद में बहस नहीं हो रही है। यह बहस वाले कमरे में आग लगाने और फिर धुएं पर शोक-गीत लिखने जैसा है। संसद बहस के लिए है, राजनीतिक ब्लैकमेल के लिए नहीं।

आलोचकों ने मानसून सत्र के आंकड़ों का बार-बार जिक्र किया है। लोकसभा अपने निर्धारित समय की तुलना में 15 प्रतिशत और राज्यसभा 33 प्रतिशत ही चल पाई, लेकिन इन आंकड़ों को उनके कारणों से अलग नहीं किया जा सकता। सत्र के दौरान बार-बार बाधाएं आईं और कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी, कई बार लोकसभा की बैठक कुछ ही मिनटों तक चली और फिर उसे स्थगित करना पड़ा। विपक्ष की रणनीति पहले यह पक्का करना था कि संसद न चल पाए और फिर समय की बर्बादी को सरकार के खिलाफ सुबूत के तौर पर इस्तेमाल करना।

संविधान विपक्ष को सरकार से सवाल पूछने, आलोचना करने, विरोध करने, संशोधन लाने और सरकार के खिलाफ वोट करने का पूरा अधिकार देता है, लेकिन यह विपक्ष को कोई ऐसा रिमोट कंट्रोल नहीं देता, जिससे वह संसद को बंद कर दे, यदि उसकी राजनीतिक मांगें स्वीकार नहीं की जाती हैं। सरकार ऐसा बिल्कुल नहीं करेगी कि लोगों से मिले जनादेश को उस विपक्ष के सामने समर्पित कर दे, जो संसद का कामकाज ठप करता है और फिर उसी ठप कामकाज को तानाशाही का सुबूत बताता है। लोकतंत्र विपक्ष को अपनी बात कहने का मौका देता है, लेकिन वीटो का अधिकार नहीं देता। सरकार को लोगों से जनादेश सिर्फ सत्ता संभालने के लिए नहीं, बल्कि शासन चलाने के लिए मिला है। इस जनादेश के साथ संवैधानिक जिम्मेदारी भी जुड़ी है, जैसे कानून पेश करना, नीतियां लागू करना और यह सुनिश्चित करना कि देश का कामकाज चलता रहे। विपक्ष के मौजूदा अभियान के खोखलेपन को उसकी अपनी प्रतिक्रिया से बेहतर और कोई अन्य चीज उजागर नहीं करती। जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध-प्रदर्शन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में विस्तृत चर्चा का प्रस्ताव रखा। उन्होंने दोपहर बाद तीन बजे से लेकर अगले दिन तीन बजे तक चर्चा का प्रस्ताव रखा और उठाए गए सवालों का जवाब देने का भी वादा किया। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और कहा कि विपक्ष को गृह मंत्री अमित शाह के %भाषण% (लेक्चर) में कोई



दिलचस्पी नहीं है। विपक्ष संसद में पूरी चर्चा से इन्कार करने के बाद यह शिकायत नहीं कर सकता कि संसद की आवाज दबा दी गई।

कोई जवाब की कैसे मांग कर सकता है, जब वह उस मंच को ही नकार दे, जिस पर जवाब दिए जाने हैं। जो नेता 24 घंटे की बहस से इन्कार करता है, उसे यह शिकायत करने का हक नहीं कि उसे बोलने के लिए 24 मिनट नहीं दिए गए। राहुल गांधी के संसदीय रिकार्ड को देखें। 17वीं लोकसभा के दौरान उनकी उपस्थिति सिर्फ 51 प्रतिशत रही, उन्होंने 46.7 के राष्ट्रीय औसत के मुकाबले केवल आठ बहसों में हिस्सा लिया, 210 के औसत के मुकाबले केवल 99 सवाल पूछे और कोई %निजी विधेयक% पेश नहीं किया। फिर भी वे कहते हैं कि सरकार ने %लोकतंत्र को खत्म कर दिया है।% वे यूके, जर्मनी और अमेरिका जाते हैं और भारत में लोकतंत्र की कमी की शिकायत करते हैं, लेकिन उनमें संसद आकर जवाबदेही तय करने की हिम्मत नहीं है। सारी बहादुरी सिर्फ कैमरों और विदेशी दर्शकों के सामने ही दिखाई देती है। जब 'विदेशी अंशदान संशोधन विधेयक' को लेकर चिंताएं जताई गईं, तो सरकार ने इसे संख्याबल पर पारित नहीं कराया। सरकार ने विधेयक पर विस्तार से चर्चा के लिए संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा। हैरानी की बात है कि ज्यादा जांच-पड़ताल की मांग करने के बाद विपक्ष के कुछ हिस्सों ने जेपीसी के पास भेजने का भी विरोध किया और मांग की कि विधेयक को पूरी तरह वापस ले लिया जाना चाहिए। इससे असली समस्या का पता चलता है। बहस को तब तक बेकार माना जाता है, जब तक मंत्री पहले से ही विपक्ष की बातों को स्वीकार न कर लें। यह बातचीत नहीं है। यह एक चेतावनी है।

## युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

कैकेईजी द्वारा वनवास का वरदान मांगने की बात सुनकर भगवान राम ने दो दृष्टि से कैकेईजी को जननी कहा। एक तो भगवान राम का तात्पर्य था कि मां ! तू तो जानती थी, मैं संतुष्ट हूं कि तुम्हारी अभिलाषा जल्दी पूर्ण होने जा रही है, क्योंकि पता नहीं यह शरीर कितने दिन जीवित रहता और कब जन्म होता और कब मैं तुम्हारा बेटा बनता। पर मां अब लोक दृष्टि से तुम्हारी मृत्यु हो चुकी है क्योंकि सब लोग तुम्हारे विरोधी हो गए हैं। और मेरी दृष्टि में तुम्हारा पुनर्जन्म हो गया है तथा साथ-साथ भगवान राम ने कहा, मां ! विश्वास रखो कि इस जन्म में राम ही तुम्हारा बेटा है, भरत तुम्हारा बेटा नहीं। यही हुआ भी। भरतजी ने तो जीवन भर कैकेई को मां कहकर पुकारा ही नहीं।



भगवान राम ने एक दिन एकांत में कैकेईजी से पूछ दिया कि भरत तुम्हें मां कहकर नहीं पुकारते तो तुम्हें दुख तो नहीं है। कैकेईजी ने कहा कि मुझे तो रंचमात्र दुख नहीं है क्योंकि भरत को जब तक मैं पुत्र समझती रही तब तक मैंने न जाने कितने अनर्थ किए। पर जब भरत ने मां कहना छोड़ दिया, संसार ने मुझे छोड़ दिया तो तुमने पकड़ लिया और जब तुमको पुत्र के रूप में पा लिया तो अब मेरे मन में कुछ पाने के अभिलाषा नहीं है। इसका अभिप्राय है कि जब लोक मंगल के लिए राम का नया जन्म हुआ, तो उसकी हेतु कैकेई बनीं।



**शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी**
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

# जयशंकर और डोभाल की रूस-चीन यात्रा के कूटनीतिक संदेश को ऐसे समझिए

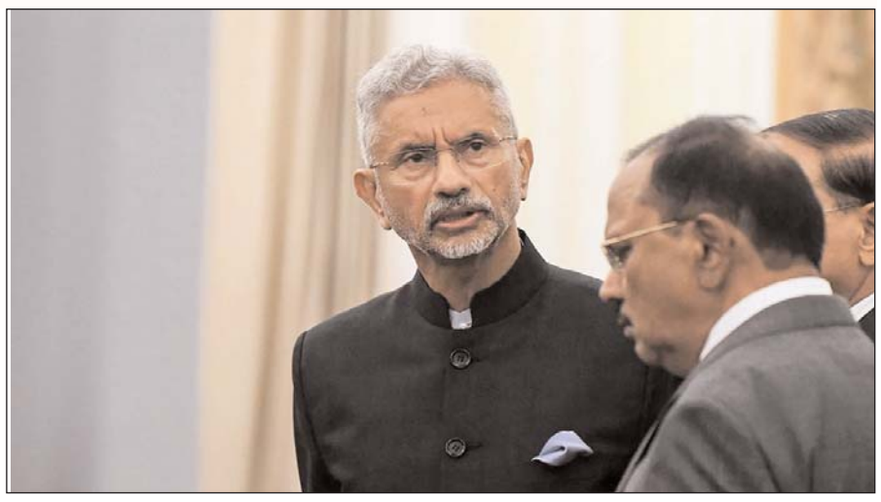

महान भारतीय कूटनीतिज्ञ आचार्य चाणक्य ने कहा था कि हर मित्रता के पीछे कुछ स्वार्थ होता है। स्वार्थ के बिना कोई मित्रता नहीं हो सकती। यह एक कड़वा सच है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर उनकी बात हू-ब-हू लागू होती है। उनकी इसी बात से प्रेरणा लेते हुए समकालीन भारतीय नेतृत्व यानी भारत दुनिया की किसी एक शक्ति-धुरी में बंधने के बजाय रूस, चीन और पश्चिम—तीनों के साथ अपने हितों के अनुसार समानांतर कूटनीति चला रहा है। स्वाभाविक है कि कूटनीतिक संतुलन में बाधाएं आएंगी ही और सम्बन्धों में थोड़ी सी गफलत भारत को बहुत क्षति पहुंचा सकती है। इसलिए जब जब ऐसी सम्भावनाएं बलवती दिखाई देती हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भरोसेमंद सिपहसालार सक्रिय हो जाते हैं। वाकई, यह संयोग नहीं है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर रूस में और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल चीन में लगभग एक ही समय में अपने अपने होमवर्क को दुरुस्त करने को लेकर सक्रिय हैं। गत 23क्क24 अगस्त को जयशंकर ने मॉस्को में भारत-रूस सहयोग पर बातचीत की, जबकि डोभाल 24क्क25 अगस्त को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ भारत-चीन सीमा विवाद पर 25वें विशेष प्रतिनिधि दौर में हिस्सा लिए। इसके गहरे कूटनीतिक निहितार्थ हैं। अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक विशेषज्ञों की मानें तो एक ही समय में भारत की तरफ से दो महत्वपूर्ण कूटनीतिक यात्राएं चल रही है, जिसके दृष्टिगत विदेश मंत्री एस. जयशंकर रूस में हैं, जबकि ह्लस्न अजीत डोभाल चीन में रणनीतिक बातचीत कर रहे हैं। दरअसल, ये यात्राएं भारत की उस कुशल विदेश नीति का हिस्सा है, जिसमें सर्वाधिक मजबूत दुश्मन देश चीन के साथ तनाव कम करने का प्रयास तो शामिल है ही, लगे हाथ अपने पुराने वफादार मित्र रूस संग पुराने संबंधों को बदली हुई परिस्थितियों में और मजबूती देने की भगीरथ कोशिश चल रही है। इसी के तरहत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सीमा विवाद को लेकर होने वाली बातचीत में हिस्सा लिए। इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। खासकर अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में हुए ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात ने द्विपक्षीय संबंधों में



आए तनाव को जो कम करने की शुरुआत की थी, उसके बाद से ही दोनों देशों के बीच संवाद बढ़ा है जबकि यह गलवान झड़प के बाद थम सा गया था। हालांकि सुधार के संकेतों के बावजूद यह नहीं कह सकते कि भरोसा पूरी तरह लौट आया है, क्योंकि हाल में अरुणाचल प्रदेश को लेकर पेइचिंग द्वारा अपनाया गया रुख इसका सच्चा सबूत है। यही वजह है कि चीन और रूस दोनों से पुनः बातचीत की जरूरत आन पड़ी है। वहीं ब्रिक्स की मेजबानी से पहले उपजे अरुणाचल गतिरोध के पीछे भी चीनी चाल को समझने की जरूरत है। यह ठीक है कि दोनों ही देशों का हित सीमा पर शांति और स्थिरता में निहित है। उसके मद्देनजर यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है,

# TET के विरोध में 33 जिलों में शिक्षकों की रैली : रायपुर में भी

## प्रदर्शन,सेवा सुरक्षा और प्रमोशन के लिए टेट की शर्त हटाने की मांग

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टेट की अनिवार्यता के विरोध में सोमवार को प्रदेशभर में शिक्षक एकजुट हुए। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले सभी 33 जिला मुख्यालयों में 'टेट मुक्ति रैली' निकाली गई।

रैली के बाद शिक्षकों ने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के नाम कलेक्टरों को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। मोर्चा का कहना है कि शिक्षकों को सेवा सुरक्षा और पदोन्नति के मामले में राहत मिलनी चाहिए। संगठन ने स्पष्ट किया कि 20-25 साल से सेवा दे रहे शिक्षकों पर अब टेट की अनिवार्यता थोपना उचित नहीं है। शिक्षकों की मांग है कि वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति दी जाए और उनकी सेवा को सुरक्षित रखा जाए। प्रदेश संयोजक संजय शर्मा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के संदर्भ में शिक्षकों को टेट पास करने के लिए 31 अगस्त 2028 तक का समय मिला है। उनका कहना है कि छत्तीसगढ़ में लंबे समय तक शिक्षकों के लिए टेट अनिवार्य नहीं था।

शासन की ओर से भी नियमित रूप से टेट परीक्षा नहीं कराई गई। ऐसे में वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों को अब टेट के नाम पर सेवा और पदोन्नति को लेकर दबाव में रखना उचित नहीं है।

मोर्चा का कहना है कि शिक्षकों के भर्ती और पदोन्नति नियमों में भी टेट की ऐसी बाध्यता नहीं थी। इसके बावजूद पदोन्नति के लिए टेट को अनिवार्य किए जाने की बात से प्रदेश के शिक्षक नाराज हैं। शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने सरकार के सामने पांच प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें सेवा सुरक्षा और पदोन्नति के लिए टेट की अनिवार्यता से राहत, पूर्व सेवा की गणना कर पेंशन और दूसरे सेवा लाभ देने, केंद्र के समान वेतनमान और वेतन विसंगति दूर करने की मांग शामिल है। इसके अलावा 13 फरवरी 2026 के भर्ती एवं पदोन्नति नियमों में शिक्षकों के हित में जरूरी संशोधन और सेवा सुरक्षा व पदोन्नति के लिए शासन स्तर पर बीएड ब्रिज कोर्स कराने की मांग भी की गई है।

मोर्चा ने कहा कि शिक्षकों की एकजुटता से पहले भी दो बड़ी मांगें पूरी हो चुकी हैं। इनमें शिक्षकों का शासकीय सेवा में संविलियन यानी मर्जर और पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस का लाभ शामिल है। इसी एकजुटता के आधार पर अब टेट से राहत और सेवा सुरक्षा की लड़ाई आगे बढ़ाई जा रही है।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

## समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को दी सख्त हिदायत : पेंडिंग मामलों का जल्द करें निराकरण, लोक सेवा गारंटी अधिनियम का पालन जरूरी

**रायपुर।** कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली। उन्होंने सभी विभागों को लंबित मामलों का जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग लोक सेवा गारंटी अधिनियम का पालन करें। तय समय में काम पूरा नहीं करने पर संबंधित विभाग के खिलाफ कार्रवाई और जुर्माना लगाया जाएगा। कलेक्टर ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए आरबीसी 6(4) के सभी लंबित मामलों का जल्द निराकरण करने को कहा। इसके साथ ही अविवादित खाता विभाजन और नामांतरण के दर्ज मामलों पर भी समय पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आम लोगों से जुड़े राजस्व मामलों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए।

**पौधों के आसपास से हटाए जाएंगे घेराव:-** बैठक में प्रोजेक्ट पुनर्जीवन की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि हर विभाग अपनी एक टीम बनाए और अपने आसपास लगे पौधों के कांक्रीट या जालीदार घेराव को हटाए। इससे पौधों को पर्याप्त जगह मिलेगी और उन्हें दोबारा बेहतर तरीके से बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने इसे विभागों की जिम्मेदारी के रूप में पूरा करने के निर्देश दिए।

**कृषि योजनाओं की भी समीक्षा:-** बैठक में डिजिटल क्रॉप सर्वे, बकेटिंग, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फार्मर आईडी सहित अन्य कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को इन कामों को समय पर पूरा करने और लंबित मामलों का जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, डीएफओ पंकज राजपूत, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, एडीएम उमाशंकर बंदे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

**लोक सेवा गारंटी अधिनियम का पालन जरूरी:-** बैठक के दौरान कलेक्टर ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत मिलने वाली सेवाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नागरिकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि शासन ने आम लोगों की सुविधा के लिए सेवाओं की समय-सीमा निर्धारित की है और अधिकारियों को उसका पालन करना अनिवार्य है।

उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्धारित अवधि में कार्य पूरा नहीं किया जाता है तो संबंधित विभाग या अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, नियमों के तहत जुर्माना लगाए जाने की स्थिति भी बन सकती है। कलेक्टर ने कहा कि अधिकारी अपने-अपने विभागों में लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि नए प्रकरण भी अनावश्यक रूप से लंबित न हों।

### दुर्गा कॉलेज में ट्रांसजेंडर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

## विद्यार्थियों को सम्मान और अधिकारों की दी जानकारी वक्ताओं ने कहा- सोच और व्यवहार में बदलाव जरूरी

**रायपुर।** दुर्गा कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से ट्रांसजेंडर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रति जागरूक करना और समानता, सम्मान व संवेदनशीलता की भावना बढ़ाना था। कार्यक्रम अधिकारी सुनीता चंसोरिया ने कहा कि इस तरह की पहल से विद्यार्थियों को ट्रांसजेंडर समुदाय से जुड़े विषयों को समझने का अवसर मिलता है।

कार्यक्रम में विद्या राजपूत, रवीना बारीहा और पापी देबनाथ ने विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने ट्रांसजेंडर समुदाय के सामाजिक जीवन, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, पहचान और अधिकारों से जुड़े विषयों की जानकारी दी। विद्या राजपूत ने कहा कि समुदाय को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि लोगों की सोच और व्यवहार में बदलाव भी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से भेदभाव के खिलाफ अपनी भूमिका निभाने की अपील की।

### विद्यार्थियों ने पूछे विभिन्न विषयों पर सवाल

रवीना बारीहा ने कहा कि शिक्षा और जागरूकता सामाजिक बदलाव का मजबूत माध्यम है। वहीं पापी देबनाथ ने अपने अनुभव साझा करते हुए ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के सामने आने वाली सामाजिक चुनौतियों और भेदभाव के बारे में बताया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने समुदाय से जुड़े विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे, जिनका वक्ताओं ने जवाब दिया। उन्होंने समझाया कि जेंडर पहचान के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए और हर व्यक्ति को समान अधिकार, सम्मान और गरिमा के साथ जीने का अधिकार है।

### बड़ी संख्या में विद्यार्थी रहे मौजूद

डॉ. अमन झा ने कहा कि कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में ऐसे जागरूकता कार्यक्रम लगातार होने चाहिए, ताकि युवा अधिक संवेदनशील और समानता आधारित समाज बनाने में योगदान दे सकें। कार्यक्रम में डॉ. सुचित्रा राठी और प्रोफेसर रिमझिम का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

## रक्षाबंधन पर यात्रियों को रेलवे का तोहफा दुर्ग-रायगढ़ के बीच चलेगी पैसेंजर स्पेशल ट्रेन

**रायपुर।** रक्षाबंधन पर्व पर यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल ने दुर्ग-रायगढ़-दुर्ग के बीच रक्षाबंधन पैसेंजर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन 27 से 29 अगस्त 2026 तक तीन फेरे लगाएगी। इससे दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, रायगढ़ समेत मार्ग के अन्य स्टेशनों के यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 08834 दुर्ग-रायगढ़ पैसेंजर स्पेशल दुर्ग से सुबह 10:30 बजे रवाना होगी और शाम 7:00 बजे रायगढ़ पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 08833 रायगढ़-दुर्ग पैसेंजर स्पेशल रायगढ़ से शाम 7:40 बजे रवाना होगी और अगले दिन रात 2:00 बजे दुर्ग पहुंचेगी।

रायपुर में 11:25 बजे पहुंचेगी ट्रेन दुर्ग से रवाना होने के बाद ट्रेन भिलाई नगर, भिलाई पावर हाउस, भिलाई, देवबलोदा चरोदा, कुम्हारी, सरोना और सरस्वती नगर होते हुए रायपुर सुबह 11:25 बजे पहुंचेगी। इसके बाद डब्ल्यूआरएस, उरकुरा, मांढर, सिलियारी, बैकुंठ, तिल्दा-नेवरा, हथबंद और भाटापारा होते हुए बिलासपुर पहुंचेगी।

बिलासपुर से आगे ट्रेन गतौरा, जयरामनगर, अकलतरा, जांजगीर नैला, चांपा, सारागांव देवरी, बुढार, सक्ती, जारडीह, खरसिया, रॉबर्टसन, भूपदेवपुर और किरोड़ीमल नगर होते हुए रायगढ़ शाम 7 बजे पहुंचेगी। वापसी में रायगढ़ से शाम 7:40 बजे रवाना होकर ट्रेन सभी निर्धारित स्टेशनों पर रुकेगी।

## मेगा प्लान तैयार : भाजपा एक महीने तक मनाएगी मोदी का जन्मदिन, 'सेवा संकल्प' से जुड़ेगा हर गांव

**रायपुर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकार प्रमुख के रूप में 25 साल पूरे होने के मौके पर भाजपा इस बार उनके जन्मदिन से देशभर में एक महीने का 'सेवा संकल्प अभियान' चलाएगी। 17 सितंबर से शुरू होकर 18 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान के जरिए पार्टी समाज के हर गांव, हर वर्ग तक पहुंच बनाने की तैयारी में है। अभियान में 25 प्रमुख सेवा गतिविधियां होंगी। इनमें वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर सहित अलग-अलग सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम शामिल किए जाएंगे। इस कार्यक्रम का राष्ट्रीय सदस्य ओपी चौधरी को बनाया गया है।

प्रदेश में इस कार्यक्रम के संयोजक महामंत्री यशवंत जैन और सदस्य अमित साहू, जी वेकंट, हर्षिता पांडेय, विभा अवस्थी, अंबिकेश केशरी को बनाया गया है। हर संभाग की जिम्मेदारी बांट दी गई है। ये हर जिले में होने वाले कार्यक्रम में सरकारी अफसरों को भी जोड़ेंगे।

हाल ही में इसको लेकर दिल्ली में एक बड़ी बैठक भी आयोजित हुई। जिसमें सभी प्रदेशों के संयोजक और सदस्य शामिल हुए। उन्हें बताया गया कि किस तरह अभियान को चलाया जाना है। भाजपा हर साल 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा आयोजित करती है। इस बार मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के मौके पर इसका विस्तार करते हुए एक महीने का अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इस साल 7 अक्टूबर को उनके सरकार प्रमुख जैसे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बनने के 25 साल पूरे होंगे।

**युवाओं से 25 मिनट सेवा का आह्वान:-** कार्यक्रम के सदस्य अमित साहू ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर रहेगा। पार्टी युवाओं को कम से कम 25 मिनट सेवा गतिविधियों में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगी। युवा, महिला, किसान और अन्य सामाजिक वर्गों को अलग-अलग कार्यक्रमों से जोड़ा जाएगा। देशभर में एक साथ 'सेवा ज्योति यात्रा' निकालने की भी तैयारी है। इस संबंध में जल्द ही सूचना जारी होगी। इसी तरह अभियान का एक अहम हिस्सा 'सेवा सेतु' होगा। इसके तहत उन लोगों की मदद की जाएगी, जो दस्तावेजों की कमी या किसी अन्य वजह से सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं।

## अनुकूलता का राग छोड़ो, वीतराग के मार्ग पर बढ़ो : मुनि संवेगर-सागर

**रायपुर।** विवेकानंद नगर स्थित ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास की चातुर्मासिक प्रवचनमाला में मंगलवार को मुनि संवेगरत्न सागर ने अनुकूलता के राग से बचने का संदेश दिया। मुनिश्री ने कहा कि मन को अनुकूलता की ओर ले जाने वाला राग धीरे-धीरे कुदर्शन ध्यान का पोषण करता है और जीव को धर्म तथा मोक्ष के मार्ग से दूर कर देता है। मुनिश्री ने कहा कि विकल्पों के साथ जुड़कर मनोकल्पित भावनाओं को लगातार पोषित करते रहेंगे तो कुदर्शन ध्यान मजबूत होगा। कुदर्शन ध्यान में अनुकूलता का राग प्रमुख होता है। यह राग भावनाओं को पोषित करता है और व्यक्ति सुदेव, सुगुरु एवं सुधर्म को छोड़कर गलत दृष्टि की ओर बढ़ने लगता है। इसके परिणामस्वरूप मिथ्यात्व का बंध होता है और जीव जिन शासन से भव-भव की दूरी बना लेता है। मुनिश्री ने कहा कि अनुकूलता का पोषण व्यक्ति को मर्यादा लांघने के लिए प्रेरित करता है। जब भौतिक सुख की चाह और मन की अनुकूलता का प्रसंग लगातार पोषित होता है तो जीवन असुरक्षित होने लगता है। प्रश्न, तर्क-वितर्क और विकल्पों के माध्यम से मन धीरे-धीरे गलत दिशा में प्रवेश करता है। मुनिश्री ने कहा कि कुसंस्कार उत्पन्न होने के बाद जीव को कुदर्शन की ओर जाने से रोकना कठिन हो जाता है। धर्मसभा में बैठे व्यक्ति के मन में यदि शारीरिक या मानसिक अनुकूलता के भाव बने हुए हैं तो वह भी कुदर्शन ध्यान का भागी बन सकता है। इसलिए अनुकूलता के राग और उसके संस्कार से सावधान रहना जरूरी है।

## रायपुर एयरपोर्ट निजी हाथों में :टिकट की कीमत बढ़ाएंगे सुरक्षा और एयर ट्रैफिक कंट्रोल अथॉरिटी के पास रहेगा

**रायपुर।** केंद्र सरकार ने रायपुर समेत 11 एयरपोर्ट को निजी हाथों में देने का फैसला कर लिया है। अब इसके लिए टेंडर और बिड की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। दैनिक भास्कर ने इस पूरे मामले की जानकारी ली तो पता चला कि एयरपोर्ट निजी हाथों में जाने के साथ पूरा सिस्टम बदल जाएगा। अभी तक एयरपोर्ट का संचालन रायपुर एयरपोर्ट अथॉरिटी करती है, लेकिन टेंडर के बाद इसका संचालन जिस कंपनी को मिलेगा उसके हाथों में चला जाएगा। अभी तक जिन भी शहरों में उदाहरण के तौर पर जयपुर, मुंबई, लखनऊ, अहमदाबाद जैसे बड़े विमानतलों को निजी कंपनी ही ऑपरेट कर रही है। वहां भी टिकटों और पार्किंग शुल्क बढ़ाया गया है।

एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार केंद्र सरकार की ओर से बिड, टेंडर और हैंडओवर की प्रक्रिया करने में कम से कम दो साल का समय लगेगा। जिस भी कंपनी की बीड सर्वोच्च होगी उस कंपनी को रायपुर एयरपोर्ट का संचालन 50 साल के लिए दिया जाएगा। यानी 2028 के बाद अगले 50 साल तक प्राइवेट कंपनी ही एयरपोर्ट को ऑपरेट करेगी। इसके बदले केंद्र सरकार को एक निश्चित रकम मिलेगी। कंपनी एयरपोर्ट में विज्ञापन, एयरलाइंस के संचालन, काउंटर, दुकान समेत कई कई तरह की चीजों से आय अर्जित करेगी। छत्तीसगढ़ में ऐसा पहली बार होगा जब किसी शहर के एयरपोर्ट को निजी कंपनी को सौंपा जाएगा। एयरपोर्ट को निजी हाथों में सौंपने के बावजूद वहां की सुरक्षा और एयर ट्रैफिक कंट्रोल रायपुर एयरपोर्ट अथॉरिटी के पास ही रहेगा। विमानतल की सुरक्षा पहले की तरह सीआईएसएफ वाले ही करेंगे। इसमें कंपनी का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। निजी कंपनी को एयरपोर्ट मिलने के बाद रायपुर से इंटरनेशनल उड़ानें शुरू हो सकती हैं।

## हक की लड़ाई : बच्चों का आधी रात तक सड़क पर धरना, मांग-शिक्षक दो, ओपन स्कूल बंद करो

**रायपुर।** दिल्ली में पहले जेन-जी, उसके बाद झारखंड में भर्ती में गड़बड़ी को लेकर छात्रों के आंदोलन की आग अभी ठंडी नहीं हुई थी कि अब छत्तीसगढ़ में स्कूली बच्चे अपने अधिकार को लेकर मुखर हो रहे हैं। ऐसे ही दो मामले मंगलवार को सामने आए। दुर्ग जिले के दो स्वामी आत्मानंद स्कूलों में बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर धमधा और पाटन ब्लॉक में अलग-अलग मुख्य मार्ग जाम कर दिए। धमधा ब्लॉक स्थित पेंड्रावन स्कूल के विद्यार्थियों ने शिक्षकों की भारी कमी के विरोध में खैरागढ़-धमधा मार्ग जाम कर दिया। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के 400 बच्चों के लिए 17 शिक्षकों की जगह केवल तीन शिक्षक और एक प्राचार्य पदस्थ हैं, जिससे पढ़ाई ठप है। बच्चे 21 अगस्त को भी विरोध जता चुके थे। मंगलवार को शुरू हुआ इनका धरना रात 11:30 बजे तक जारी रहा। उनका कहना है कि वे ओपन स्कूल बंद करने की मांग को लेकर भी प्रदर्शन कर रहे हैं। स्कूल में जो कुछ शिक्षक हैं, उन्हें भी ओपन स्कूल में भेज दिया जाता है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। गौरतलब है कि दुर्ग शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव का गृह जिला है। उधर, पाटन ब्लॉक के सेलूद स्थित स्कूल में कक्षा 6वीं से 8वीं के 203 विद्यार्थियों ने मुख्य गेट पर ताला जड़कर दुर्ग-पाटन मार्ग पर करीब एक घंटे तक चक्काजाम किया। छात्रों का कहना है कि स्कूल में बीते दो साल से टॉयलेट नहीं है।

### 30 अगस्त से शुरू होगा कांग्रेस का प्रशिक्षण शिविर

## कांग्रेस के 307 ब्लॉक अध्यक्षों की होगी ट्रेनिंग, बस्तर से होगी शुरुआत

**रायपुर।** कांग्रेस अब चुनाव की तैयारी में जुट गई है। पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए ब्लॉक अध्यक्षों की ट्रेनिंग शुरू करने जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि 30 अगस्त से ब्लॉक अध्यक्षों का प्रशिक्षण शुरू होगा। बैज ने कहा कि प्रशिक्षण की शुरुआत बस्तर संभाग से होगी। इसके बाद सरगुजा, बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर संभाग में ब्लॉक अध्यक्षों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रदेश के कुल 307 ब्लॉक अध्यक्षों को संगठनात्मक स्तर पर मजबूत करने के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने बताया कि ब्लॉक अध्यक्षों के प्रशिक्षण के बाद संगठन के निचले स्तर तक भी इसी तरह प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसमें बूथ अध्यक्षों के साथ पंचायत और मंडल स्तर के पदाधिकारियों को भी ट्रेनिंग दी जाएगी।

## वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

**मेष।** आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन आपको थोड़ा संभलकर आगे बढ़ना होगा। नई प्रॉपर्टी खरीदने का विचार मन में आ सकता है और लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने पर भी खर्च करने का मन करेगा। हालांकि, खर्च और बचत के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। माता-पिता का आशीर्वाद और सहयोग आपके कई अटके काम पूरे करा सकता है।

**वृषभ।** आज धैर्य और शांत व्यवहार ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। हर मामले में अपनी राय देना जरूरी नहीं है, क्योंकि ज्यादा बोलने से बेवजह की उलझन पैदा हो सकती है। अगर कहीं घूमने या यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो उसे कुछ समय के लिए टालना बेहतर रहेगा। परिवार में तालमेल बनाए रखना बेहद जरूरी होगा। छोटी सी बात को बढ़ने दिया तो विवाद बड़ा रूप ले सकता है।

**मिथुन।** आज जल्दबाजी में उठाया गया कोई कदम आपको परेशानी में डाल सकता है, इसलिए हर फैसला सोच-समझकर लें। नया वाहन खरीदने का विचार बन सकता है और सामाजिक स्तर पर आपकी पहचान भी मजबूत होगी। हालांकि, पुराने लेन-देन या पैसों से जुड़े मामले फिर से सामने आ सकते हैं। किसी अनजान व्यक्ति की बातों पर आंख बंद करके भरोसा न करें ।

**कर्क।** आज भाग्य पूरी तरह आपका साथ देता नजर आएगा। आप जिस काम को हाथ लगाएंगे, उसमें सफलता मिलने की संभावना मजबूत है। जीवनसाथी को करियर या नौकरी में तरक्की की अच्छी खबर मिल सकती है, जिससे घर का माहौल खुशहाल होगा। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। हालांकि, ज्यादा मौज-मस्ती के चक्कर में जरूरी कामों को नजरअंदाज न करें, वरना बाद में दबाव बढ़ सकता है।

**सिंह।** आज पैसों को लेकर मन में थोड़ी चिंता बनी रह सकती है, इसलिए गैरजरूरी खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार में शादी-ब्याह से जुड़ी खुशखबरी आने से माहौल खुशनुमा होगा। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को कोई अच्छा अवसर मिल सकता है। अपनी मेहनत और योग्यता पर भरोसा रखें। गलत या शॉर्टकट रास्ते से फायदा लेने की कोशिश न करें, क्योंकि इसका नुकसान बाद में भारी पड़ सकता है।

**कन्या।** आज दिनभर भागदौड़ बनी रह सकती है और कुछ कामों में छोटी-मोटी रुकावटें भी आएंगी। सेहत में उतार-चढ़ाव के कारण थकान महसूस हो सकती है, इसलिए आराम के लिए समय निकालें। घर में मेहमानों के आने से रौनक बढ़ेगी, लेकिन किसी पुरानी बात को लेकर बहस भी हो सकती है। बात को बढ़ाने के बजाय शांत रहना बेहतर होगा। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मन प्रसन्न करेगी और धार्मिक कार्यों में भी रुचि बढ़ेगी।

**तुला।** आज सकारात्मक ऊर्जा आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगी। नए लोगों से संपर्क बनेगा और आपकी पहचान का दायरा भी बढ़ सकता है, लेकिन हर व्यक्ति को अपना शुभचिंतक समझने की भूल न करें। उधार लेने से बचना बेहतर रहेगा, क्योंकि बाद में उसे चुकाने का दबाव परेशान कर सकता है। प्रॉपर्टी खरीदने की योजना बन सकती है।

**वृश्चिक।** आज आर्थिक लाभ के मजबूत संकेत हैं और आपकी वित्तीय स्थिति पहले से बेहतर हो सकती है। लंबे समय से अटके कामों को पूरा करने में सफलता मिलेगी। किसी कानूनी मामले को सुलझाने के लिए सही व्यक्ति की सलाह मिल सकती है, जिससे आगे का रास्ता साफ होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और प्रतिभा से अलग पहचान बनेगी। यात्रा, टूर या ट्रांसपोर्ट से जुड़े काम करने वालों के लिए दिन विशेष रूप से लाभदायक रह सकता है।

**धनु।** आज उन्नति के नए रास्ते खुलते नजर आएंगे। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात मन को खुशी देगी और जीवनसाथी के साथ घूमने का कार्यक्रम भी बन सकता है। घर के जरूरी कामों में लापरवाही न करें, क्योंकि छोटी अनदेखी बाद में परेशानी बढ़ा सकती है। माता-पिता का आशीर्वाद आपके अटके काम पूरे कराने में मदद करेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई या करियर से जुड़े नए अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना हो सकती है। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा।

**मकर।** आज आप अपने जरूरी कामों में काफी व्यस्त रहेंगे, फिर भी परिवार के लिए समय निकालने की कोशिश करेंगे। संतान पढ़ाई में लापरवाही कर सकती है, इसलिए उन्हें प्यार से समझाना जरूरी होगा। किसी दोस्त की ओर से कोई अच्छी खबर मिल सकती है। परिवार के साथ किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जिससे रिश्तों में नजदीकी और घर में खुशी का माहौल बनेगा। व्यापारियों को किसी नए सौदे में जल्दबाजी से बचना चाहिए।

**कुंभ।** आज का दिन राजनीति और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के लिए खास उपलब्धियां लेकर आ सकता है। आपकी पहचान, प्रभाव और लोगों के बीच पकड़ मजबूत होगी। जीवनसाथी नई नौकरी या करियर के लिए कोई महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं। परिवार से जुड़े मामलों में बातचीत करते समय संयम रखें, क्योंकि गलत शब्द तनाव बढ़ा सकते हैं। निवेश का फैसला लेने से पहले किसी अनुभवी व्यक्ति या विशेषज्ञ की सलाह लेना आपके लिए बेहतर रहेगा।

**मीन।** आज कुछ रुकावटों के कारण काम की गति थोड़ी धीमी पड़ सकती है। किसी भी महत्वपूर्ण फैसले में जल्दबाजी न करें और दिखावे के लिए पैसा खर्च करने से बचें। सेहत को लेकर सावधान रहें, क्योंकि पुरानी परेशानी दोबारा परेशान कर सकती है। ऑफिस की जिम्मेदारियों को दूसरों के भरोसे छोड़ने के बजाय खुद संभालना बेहतर होगा। प्रॉपर्टी से जुड़े किसी भी मामले में कागजात और शर्तों की अच्छी तरह जांच किए बिना आगे न बढ़ें। व्यापार में भी विस्तार के अवसर सामने आएंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन किसी बड़े निवेश में जल्दबाजी न करें। परिवार का पूरा सहयोग प्राप्त होगा और घर में सुखद वातावरण बना रहेगा।

### सुप्रीम कोर्ट के आदेश के 2 साल बाद जांच शुरू

# 20 कोचिंग व लाइब्रेरी को नोटिस कागजात नहीं देने पर होंगे सील

**रांची।** राजधानी में चल रहे 2000 से अधिक कोचिंग सेंटरों पर नगर निगम ने सख्ती करना शुरू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के वर्ष 2024 के एक आदेश का हवाला देते हुए निगम ने कोचिंग सेंटरों में छात्रों की सुरक्षा की ऑडिट शुरू की है। मंगलवार को निगम टाउन प्लानिंग की टीम ने करीब 20 कोचिंग सेंटरों और लाइब्रेरी की जांच की। कोचिंग सेंटर के संचालकों से भवन का स्वीकृत नक्शा, ट्रेड लाइसेंस और अधिक संख्या वाले कोचिंग सेंटर व लाइब्रेरी संचालकों से फायर एनओसी की मांग की गई। टीम ने संबंधित संचालकों को संबंधित कागजात निगम में जमा करने का निर्देश दिया है। नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने साफ कहा है कि अवैध रूप से चल रहे कोचिंग और लाइब्रेरी पर कार्रवाई होगी। छात्रों की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं होने देंगे। साफ है कि जिन कोचिंग के पास भवन का स्वीकृत नक्शा व ट्रेड लाइसेंस नहीं होगा, उसे सील किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में साफ किया है कि स्वीकृत भवन प्लान का उल्लंघन करके या अनुमति के बिना किया गया निर्माण अवैध निर्माण की श्रेणी में आता है। केवल लंबा समय बीत जाने से कोई भी अवैध निर्माण वैध नहीं हो सकता। अदालत ने साफ किया है कि अनधिकृत भवन में कोई भी व्यवसाय करने के लिए लाइसेंस नहीं दिया जाना चाहिए। निगम ने जिन कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी संचालकों को नोटिस दिया है अगर वे सेंटर आवासीय भवन में चलते पाए गए तो कोचिंग का सील होना तय है। साथ ही संबंधित भवन मालिक पर भी जुर्माना लगेगा। रांची में पिछले दिनों हुए छात्र आंदोलनों में पर्दे के पीछे से कोचिंग संचालकों की भूमिका भी मानी गई थी। इसके बाद ही निगम ने कोचिंग सेंटरों की जांच शुरू की। पहले फेज में निगम ने 25 कोचिंग सेंटरों की जांच की थी।

### गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना में बदलाव

# फर्स्ट सेमेस्टर की फीस वापस होगी, झारखंड कैबिनेट की बैठक, 53 प्रस्तावों को दी गई मंजूरी

**रांची।** झारखंड सरकार ने गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की गाइडलाइन में बदलाव किया है। अब एडमिशन के समय छात्रों द्वारा जमा की गई प्रथम सेमेस्टर या प्रथम वर्ष की फीस की एकमुश्त प्रतिपूर्ति (रिइम्बर्समेंट) कर दी जाएगी। यह राशि वेब पोर्टल के माध्यम से लौटाई जाएगी। वहीं छात्रों पर वित्तीय बोझ कम करने के लिए 15 लाख रुपए तक के लोन पर 5ब्र मार्जिन मनी को भी खत्म कर दिया गया है7 यह फैसला मंगलवार को हुई झारखंड कैबिनेट की बैठक में लिया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में 53 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत अब तक 3,434 विद्यार्थियों को 291 करोड़ का ऋण स्वीकृत हुआ है और 65 करोड़ रुपए वितरित किए जा चुके हैं। क्रियान्वयन में आ रही

बाधाओं को दूर करने के लिए नालंदा यूनिवर्सिटी और साउथ एशियन यूनिवर्सिटी समेत भारत सरकार के सभी अधिसूचित केंद्रीय विश्वविद्यालयों को भी योजना के दायरे में शामिल कर लिया गया है। इन संशोधन से योजना अधिक छात्र-केंद्रित बनेगी और राष्ट्रीय संस्थानों में पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों की पहुंच आसान होगी। गौरतलब है कि पहले चार लाख से अधिक के लोन पर पांच फीसदी मार्जिन मनी का प्रावधान था, जिसे छात्रों को खुद वहन करना होता था।

### अनुसंधान और नवाचार पर 1834 करोड़ रु. खर्च होंगे

राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसंधान, नवाचार और प्री-इन्क्यूबेशन को सुदृढ़ करने के लिए 'झारखंड छात्र अनुसंधान एवं नवाचार नीति' को मंजूरी दी गई है। इस नीति के तहत पांच वर्षों (2026-31) में 1834.83 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके तहत स्टेट इनोवेशन पार्क और 300 से अधिक संस्थानों में 'इंस्टीट्यूशन रिसर्च एंड इनोवेशन सेल' स्थापित होंगे। 4,345 पंचायतों में सामाजिक नवाचार के लिए ग्रासरूट्स इंटर्नशिप, सीड फंडिंग, मुख्यमंत्री शोध फैलोशिप और पेटेंट सहायता जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। इससे वर्ष 2030-31 तक हर साल 1,000 छात्र-नवाचारों को समर्थन, 30 हजार विद्यार्थियों को उभरती तकनीकों में प्रशिक्षण और स्टार्टअप्स की संख्या दोगुनी करने का लक्ष्य है।

### ग्रास रूट्स इनोवेशन इंटर्नशिप में 10 हजार छात्रों को हर साल छात्रवृत्ति

उच्च शिक्षा में पारंपरिक ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए 'झारखंड ग्रास रूट्स इनोवेशन इंटर्नशिप योजना' के नए स्वरूप को स्वीकृति मिली है। राज्य के 10 हजार स्नातक छात्रों को 8 सप्ताह की इंटर्नशिप दी जाएगी। इसमें स्टाइपेंड 10 हजार से बढ़ाकर 12 हजार रुपए किया गया है। पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद अब इसे राज्य की सभी 4,345 पंचायतों तक विस्तारित किया जाएगा। योजना के तहत छात्र गांवों का भ्रमण कर पारंपरिक ज्ञान और ग्रामीण नवाचारों का डिजिटल दस्तावेज तैयार करेंगे। झारखंड के दो मेडिकल कॉलेजों में सीटें बढ़ाई जाएगी।

# बिजली निगम में 65 जेई के भरोसे चल रही व्यवस्था 2017 के बाद अब 3347 पदों पर बहाली की तैयारी

**रांची।** झारखंड में बिजली व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए लंबे समय से खाली पड़े पदों को भरने की तैयारी तेज कर दी गई है। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) में करीब 3347 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया नवंबर तक शुरू हो सकती है। इनमें 795 जूनियर इंजीनियर (जेई), 372 सहायक अभियंता (एई), 180 एकाउंटेंट और लाइनमैन, टेक्निकल असिस्टेंट, सहायक व एसबीओ के पद हैं।

वर्ष 2017 के बाद ऊर्जा विकास निगम एवं इनकी अनुषंगी होल्डिंग कंपनी बिजली वितरण निगम, ऊर्जा संरक्षण निगम और ऊर्जा उत्पादन निगम में एक भी नियुक्ति नहीं हुई है। इससे भारी संख्या में इंजीनियरों एवं अन्य कर्मियों की कमी हो गई है।

इसका सीधा असर बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर पड़ रही है। पिछले महीने मुख्यमंत्री सह ऊर्जा मंत्री मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की समीक्षा बैठक में भी मैनपावर की कमी बातें उठी थीं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने नियुक्ति नियमावली बनाकर भर्ती प्रकिया शुरू करने का निर्देश दिया था। इसके बाद नियुक्ति नियमावली को अंतिम रूप देने और जरूरी प्रशासनिक मंजूरी की प्रक्रिया चल रही है।

### ये कर सकते हैं आवेदन

डिप्लोमा इंजीनियर, मेक्निकल इंजीनियर, आईटीआई एवं विभिन्न ट्रेडधारी इन पदों पर आवेदन कर सकते हैं।

जेई के 800 में से 735 पद खाली, निगम में जेई के 800 पद हैं, लेकिन अभी महज 65 जेई ही कार्यरत हैं। रांची में ही 87 सेक्शन के लिए 87 जेई की जरूरत है, जबकि वर्तमान में केवल नौ जेई के भरोसे बिजली व्यवस्था चल रही है। ऐसे में एक-एक जेई को कई फीडर और सब-स्टेशन की जिम्मेदारी संभालनी पड़ रही है। निगम में जेई की कमी का असर सीधे बिजली व्यवस्था पर पड़ रहा है। जेई पर फीडर और सब-स्टेशन की निगरानी के साथ फॉल्ट, मेंटेनेंस और तकनीकी व्यवस्था की जिम्मेदारी होती है। कर्मचारियों की कमी के कारण कई इलाकों में एक अधिकारी को कई जिम्मेदारियां संभालनी पड़ रही हैं। नियुक्ति के बाद इस दबाव को कम करने की उम्मीद है।

# कैबिनेट की बैठक-छठी से 12वीं तक की छात्राओं को सरकार देगी सेनेटरी पैड

**रांची।** झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय के निर्माण के लिए 49.99 करोड़ व सेनेटरी पैड के लिए 124 करोड़ मंजूर, राज्य मंत्रिपरिषद ने निर्णय लिया है कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली छठी से 12वीं तक की छात्राओं को राज्य सरकार 10 बायो सेनेटरी पैड देगी। राज्य की 8.50 लाख छात्राएं इससे लाभान्वित होंगी। इसके लिए 124 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। शिक्षा विभाग ने हर तीन महीने में सेनेटरी पैड संकुल स्तर तक पहुंचाने का निर्णय लिया है। स्कूल के शिक्षक इसे संकुल से प्राप्त करेंगे। स्कूलों को सरकार ट्रांस्पोर्टेशन चार्ज भी देगी। वर्तमान में राज्य के 203 कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय और 57 झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय की छात्राओं को ही सेनेटरी पैड 2023 से दिया जा रहा है। नवंबर से छात्राओं को सेनेटरी पैड मिलने लगेगा। झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय के निर्माण के लिए 49.99 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इसके अलावा 53 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। सरकारी स्कूलों के बच्चों को अब निजी स्कूलों की तर्ज पर स्टूडेंट डायरी दी जाएगी। इसमें पूरे साल के अवकाश से लेकर छात्रों-अभिभावकों से सीधा संवाद किया जा सकेगा। ज्ञानोदय योजना के तहत सरकारी व गैर सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में छठी से आठवीं के छात्र-छात्राओं को स्टूडेंट डायरी दी जाएगी।

# दुर्गा पूजा पर घर लौटने वाले लोगों की बढ़ी चिंता :झारखंड आने वाली अधिकांश ट्रेनों में लंबी वेटिंग, सीटें रिग्रेट; स्पेशल ट्रेन का इंतजार

**कोडरमा।** शारदीय नवरात्र इस साल 11 अक्टूबर से शुरू होंगे और 21 अक्टूबर को विजयदशमी है। बड़ी संख्या में दिल्ली, मुंबई व अन्य शहरों में रहने वाले धनबाद के लोग नवरात्र में अपने घर आते हैं। लेकिन, दिल्ली, मुंबई व अन्य बड़े शहरों से झारखंड आनेवाली अधिकतर ट्रेनों में नवरात्र के दौरान वेटिंग लग चुकी है। रेलवे ने अभी तक किसी पूजा स्पेशल ट्रेन की घोषणा भी नहीं की है। वैकल्पिक रूटों से आनेवाली ट्रेनों में भी त्योहारों के समय आरक्षण मिलना मुश्किल है। ऐसे में जिन्होंने पहले से आरक्षण नहीं करा रखा है, उनके लिए दशहरा में घर आना मुश्किल भरा होगा। हालांकि बीकानेर से आनेवाली दुरंतो में कुछ सीटें उपलब्ध हैं। वहीं, गंगा-दामोदर, वनांचल, पाटलिपुत्र में बिहार जाने के लिए अभी सीटें खाली हैं, पर

मौर्य एक्सप्रेस में 1 से 11 अक्टूबर के बीच अधिकतर तिथियों पर स्लीपर में वेटिंग है।

मुंबई, गोवा, पुणे, बेंगलुरु, चेन्नई जैसे दक्षिणी और पश्चिमी महानगरों से रांची आने वाली अधिकांश ट्रेनों में सीटें भर चुकी हैं। मुंबई, गोवा, पुणे, बेंगलुरु, चेन्नई जैसे दक्षिणी और पश्चिमी महानगरों से रांची आने वाली अधिकांश ट्रेनों में सीटें भर चुकी हैं। पश्चिम और दक्षिण से रांची आने वाली अधिकांश ट्रेनों में सीटें फुल, महानगरों से राजधानी रांची, बोकारो, धनबाद, कोडरमा सहित अन्य शहरों में आने वाली अधिकांश ट्रेनों में लंबी वेटिंग है।

जबकि कई ट्रेनों में सीटें रिग्रेट हो चुकी हैं। मुंबई, गोवा, पुणे, बेंगलुरु, चेन्नई जैसे दक्षिणी और पश्चिमी महानगरों से रांची आने वाली अधिकांश ट्रेनों में सीटें भर चुकी हैं।

वास्को डी गामा (गोवा) से रांची आने वाली ट्रेन 17321 में 9 अक्टूबर से ही सभी सीटें रिग्रेट हो चुकी हैं। वहीं, चर्लपल्ली से रांची आने वाली ट्रेन 17007 में भी 9 अक्टूबर से सीटें भरी होने की स्थिति बन गई है।

# ऑपरेशन मुस्कान 2.0 : आईएमइआई से मिला लोकेशन सीइआईआर से ट्रैकिंग, पुलिस ने एक माह में ढूंढे 111 फोन

**रांची।** राजधानी पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान 2.0' के तहत बीते एक महीने में चोरी और गुम हुए 111 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से चोरी हुए इन हैंडसेट्स को रिकवर करने के बाद पुलिस ने मंगलवार को इसके मालिकों को लौटा दिया। यह सफलता केवल थानों में दर्ज सनहा या पारंपरिक पुलिस जांच का परिणाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे टेक्निकल सेल, मोबाइल रिकवरी सेल और सीइआईआर पोर्टल का सटीक तालमेल रहा है।

रिकवरी टीम के एक पुलिसकर्मी के मुताबिक, मोबाइल को ढूंढने में 15 अंकों का आईएमइआई नंबर महत्वपूर्ण तकनीकी आधार होता है। फोन चोरी होने की शिकायत मिलते ही पुलिस आईएमइआई सीइआईआर पोर्टल पर अपलोड कर देती है।

अपलोड होते ही संबंधित फोन पूरी तरह लॉक हो जाता है। जैसे ही हैंडसेट में नया सिम डालकर उसे नेटवर्क से जोड़ा जाता है, पुलिस के टेक्निकल सेल को तुरंत उसकी सटीक लोकेशन मिल जाती है। इसी अचूक तकनीकी ट्रैकिंग के जरिए पुलिस इन 111 फोनों तक पहुंचने में कामयाब रही। दो साल पहले मोबाइल चोरी हो गया था। पुलिस ने जब मिलने की सूचना दी तो लगा कि शायद कोई मेरे साथ प्रैंक कर रहा है। बाद में भरोसा हुआ कि फोन मिल गया है। सितंबर 2025 में बिरसा चौक से हटिया जाने के समय मेरा मोबाइल खो गया था। इसमें यादगार तस्वीरें थीं। मुझे बिल्कुल उम्मीद नहीं थी कि फोन दोबारा वापस मिलेगा। 2024 में राशन वितरण के दौरान मेरा मोबाइल खो गया था। पुलिस ने जब फोन मिलने की जानकारी दी तो खुशी हुई। फॉर्म भरवाने के बाद फोन सौंप दिया गया। रांची में बीते छह महीने में चोरी हुए या गुम हुए मोबाइल फोन का सटीक आंकड़ा डिपार्टमेंट के पास नहीं है।

## सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 3 | | | | 6 | |
| | 6 | 4 | | | 1 | | 2 | |
| | | | 5 | | | | | |
| | 2 | 3 | | 5 | | 6 | | |
| | | 9 | 8 | | 3 | 7 | | |
| | | 8 | | 9 | | 1 | 4 | |
| | | | | | 9 | | | |
| | 1 | | 4 | | | 8 | 9 | |
| | 5 | | | | 7 | | | |

## पिछले अंक का उत्तर

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 1 | 5 | 8 | 2 | 7 | 9 | 4 | 6 |
| 4 | 6 | 8 | 9 | 1 | 5 | 7 | 3 | 2 |
| 7 | 2 | 9 | 3 | 4 | 6 | 5 | 1 | 8 |
| 9 | 4 | 6 | 5 | 3 | 8 | 1 | 2 | 7 |
| 5 | 7 | 1 | 6 | 9 | 2 | 4 | 8 | 3 |
| 8 | 3 | 2 | 1 | 7 | 4 | 6 | 9 | 5 |
| 6 | 9 | 3 | 2 | 5 | 1 | 8 | 7 | 4 |
| 2 | 5 | 7 | 4 | 8 | 9 | 3 | 6 | 1 |
| 1 | 8 | 4 | 7 | 6 | 3 | 2 | 5 | 9 |

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

## छात्रों पर एकतरफा कार्रवाई हुई, सरकार की कठपुतली न बनें अधिकारी : बाबूलाल

**रांची।** नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली मामले में पुतला दहन कार्यक्रम में छात्रों पर हुई कार्रवाई को एकतरफा बताया है। बाबूलाल ने आरोप लगाया कि पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान तैनात दंडाधिकारी ने छात्रों पर एकतरफा कार्रवाई की। इसके विरोध में मंगलवार को बाबूलाल भाजपा के अन्य नेताओं के साथ रांची सदर के अंचलाधिकारी सह मजिस्ट्रेट के कार्यालय पहुंचे। मरांडी ने कहा कि अधिकारियों को सरकार की कठपुतली बनने के बजाय कानून सम्मत और निष्पक्ष कार्य करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण पुतला दहन के दौरान सत्ता पक्ष समर्थित लोगों ने उपद्रव किया और छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार किया, लेकिन मजिस्ट्रेट ने दोषियों पर कार्रवाई करने के बजाय छात्रों पर ही मुकदमे दर्ज किए। नेता प्रतिपक्ष ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उन आरोपियों पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई, तो पार्टी अंचल कार्यालय के समक्ष धरना देगी। इस दौरान दीपक प्रकाश, सीपी सिंह, योगेंद्र प्रताप सिंह और वरुण साहू मौजूद थे।

# पदक का दावेदार वुशु खिलाड़ी डोप में फंसा, जकार्ता एशियाड में पदक जीत चुके भानुप्रताप टीम से बाहर

**नई दिल्ली।** एशियाई खेलों के भारतीय दल पर डोपिंग का साया बुरी तरह गहरा गया है। दो पहलवानों और एक रोइंग खिलाड़ी के डोप में फंसने के बाद एशियाड में पदक के दावेदार वुशु खिलाड़ी सूर्य भानुप्रताप सिंह भी डोप में फंस गए हैं। उन्हें एशियाई खेलों की टीम से बाहर कर दिया गया है। जम्मू कश्मीर के सूर्य भानुप्रताप सिंह को 65 किलो भार वर्ग के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था, लेकिन नाडा की टेस्टिंग में उनके सैंपल में प्रतिबंधित सार्म्स एनोबोसार्म (ओस्टारिन) पाया गया है। उन पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया गया है। सूर्य भानुप्रताप के टीम से बाहर होने के कारण वुशु खिलाड़ियों की एशियाई खेलों के लिए संख्या सात रह गई है।

***दो बार जीता है विश्व चैंपियनशिप में पदक***– सूर्य भानुप्रताप देश के सबसे अनुभवी वुशु खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 2018 के जकार्ता एशियाई खेलों में 60 किलो भार वर्ग में कांस्य पदक जीता था। इससे पहले वह 2015 और 2017 की विश्व चैंपियनशिप में 60 किलो वर्ग में ही कांस्य पदक जीत चुके थे। उन्होंने 2016 के दक्षिण एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। सूर्य से इस बार भी पदक की उम्मीदें की जा रही थीं।

## खाली जाएगी सूर्य की जगह

वुशु की ग्रीको रोमन कुश्ती टीम में शामिल दीपांशु (130 किलो) और फ्रीस्टाइल टीम में शामिल मुकुल दहिया (86 किलो) भी नाडा की टेस्टिंग में डोप में पॉजिटिव पाए गए हैं। भारतीय कुश्ती महासंघ ने दीपांशु की जगह रौनक को टीम में शामिल किए जाने को कहा है, लेकिन आयोजकों की ओर से अभी इसकी मंजूरी नहीं मिली है। सूर्य भानु प्रताप की जगह कोई अन्य खिलाड़ी टीम में शामिल नहीं किया जा रहा है।

# सेमीफाइनल से चूकने के बाद छलक पड़े भारतीय महिला खिलाड़ियों के आंसू, चेहरे पर छाई उदासी

**एम्सटेलवीन।** भारतीय महिला हॉकी टीम का सफर विश्व कप में समाप्त हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे चरण का मैच गोलरहित ड्रॉ रहने के बावजूद भारतीय टीम गोल की गणना के आधार पर सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। हूटर बजते ही डगआउट में बैठीं भारत की सबसे अनुभवी खिलाड़ी सविता पूनिया और उनकी साथी गोलकीपर बिछू देवी अपने आंसू नहीं रोक सकीं और ठीक पीछे बैठी इशिका चौधरी को यकीन ही नहीं हुआ कि अपने पहले ही विश्व कप में वह पदक के इतने करीब पहुंचकर चूक गईं।

लाल थी खिलाड़ियों की आंखें

मैच के बाद खिलाड़ियों के चेहरे बयां कर रहे थे कि उन पर क्या बीत रही है। मैदान से निकलकर अपनी टीम बस का इंतजार कर रही खिलाड़ियों की आंखें लाल थी। मुख्य कोच शोर्ड मारिन मीडिया से बात कर रहे थे लेकिन अपनी उदासी नहीं छिपा सके। टीम के वैज्ञानिक सलाहकार और एथलीट परफार्मेंस प्रमुख वेन लोम्बार्ड और सीनियर खिलाड़ी पहली बार विश्व कप खेल रही खिलाड़ियों का हौसला बंधा रहे थे। भारतीय टीम में 11 खिलाडियों का यह पहला विश्व कप है और उन्हें यकीन की नहीं हो रहा था कि वे सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हैं। सीढियों पर बैठकर फोन पर अपनी मां से बात कर रही एक खिलाड़ी ने कहा, यह सबसे अच्छा मौका था। हम इतने करीब पहुंच गए थे और अब पता नहीं कब ये मौका मिलेगा। तीसरा विश्व कप खेल रही सविता चुपचाप खड़ी थी और इतना ही बोल सकी कि यह सर्वश्रेष्ठ मौका था। अनुभवी मिडफील्डर नेहा गोयल के आंसू नहीं थम रहे थे। उनसे कहा गया कि आगे एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है तो उन्होंने सिर्फ हां में सिर हिलाया और कुछ बोल नहीं सकीं।

भारतीय महिला हॉकी टीम विश्व कप में कभी पदक नहीं जीती है और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1974 में फांस में खेले गए पहले ही विश्व कप में था जब टीम चौथे स्थान पर रही थी। अब भारत को पांचवें छठे स्थान का मुकाबला 27 अगस्त को खेलना है और वह भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा।

# नाइटक्लब घटना के बाद इंग्लैंड का बड़ा फैसला, पाकिस्तान के खिलाफ ब्रायडन कार्स दूसरे टेस्ट से बाहर

**लंदन (ए)।** इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच 27 अगस्त से लॉर्ड्स में दूसरे टेस्ट मैच की शुरुआत होगी, जिससे पहले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स को टीम से बाहर कर दिया गया है, क्योंकि क्रिकेट रेगुलेटर एक नाइटक्लब घटना की जांच करेगा जिसमें कार्स कथित तौर पर शामिल थे। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पुष्टि की है कि यह तेज गेंदबाज लॉर्ड्स में होने वाले दूसरे मैच में चयन के लिए उपलब्ध नहीं होगा। कार्स की जगह हैम्पशायर के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज सोनी बेकर को टीम में शामिल किया जाएगा।

***नाइटक्लब का वीडियो हुआ था वायरल***–मालूम हो कि यह फैसला हाल ही में हुई एक नाइटक्लब घटना के बाद लिया गया है। कुछ दिनों पहले एक वीडियो सामने आया था, जिसमें कार्स को एक नाइटक्लब के बाहर पुलिस द्वारा हथकड़ी लगाए हुए देखा गया, जिसके बाद ईसीबी ने मामले की जांच शुरू की। एक वायरल वीडियो में कार्स के हाथ पीछे की ओर बंधे हुए नजर आ रहे हैं और पुलिस ने उन्हें घेर रखा है। वह डरहम के अपने साथी खिलाड़ी मैथ्यू पॉट्स से बात कर रहे थे। इस वीडियो के बैकग्राउंड में इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स भी नजर आ रहे हैं।

इस मामले पर बात करते हुए ईसीबी ने रविवार को कहा था, %हमें उस घटना के बारे में पता है। बताया जा रहा है कि यह घटना डर्बी में हुई थी। हम अभी इसकी जांच कर रहे हैं। जब संभव होगा, हम आगे की जानकारी देंगे। इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ पहला टेस्ट मैच पारी और 103 रनों से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 27 अगस्त से लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

***कार्स का करियर***– ब्रायडन कार्स अपने टेस्ट करियर के 14 मुकाबलों में 30.18 की औसत के साथ 58 विकेट हासिल कर चुके हैं। बतौर बल्लेबाज उन्होंने 23 पारियों में 17.85 की औसत के साथ 357 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक भी शामिल है। कार्स घरेलू मैदान पर पाकिस्तान के खिलाफ तीन में से दो टेस्ट मैचों के लिए इंग्लैंड की टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें लीड्स में खेले गए पहले मैच में नहीं चुना गया, जिसके बाद उन्होंने काउंटी चैंपियनशिप में डरहम के लिए

# ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नर्वस थे, सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने पर बोले महिला हॉकी टीम के कोच मारिन

**एम्स्टेलवीन।** भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच शोर्ड मारिन ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ में उनकी टीम काफी नर्वस थी, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विश्व कप में पांचवें-छठे स्थान के प्लेऑफ में पहुंचना अभी भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत करो या मरो के मैच के दबाव में आकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को गोलरहित ड्रॉ खेलने के बाद सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गया। मारिन ने कहा, ऐसा लग रहा था कि हमारे खिलाड़ी काफी नर्वस हैं। हम उस तरह का खेल नहीं खेल पाए जैसा हम खेलना चाहते थे। हमारे खेल में निरंतरता का अभाव था, पासिंग और रिसीविंग में तालमेल नहीं था और कई अनावश्यक गलतियां हुईं। ऐसा नहीं है कि हम जीत नहीं सकते, लेकिन मुझे नहीं पता कि हम ऐसा क्यों नहीं कर पाए। हम जानते हैं कि हम इससे कहीं बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। टीम का प्रत्येक सदस्य बहुत निराश है।'

भारत अब पांचवें-छठे स्थान के लिए होने वाला क्लासिफिकेशन मैच खेलेगा और मारिन ने इसे पिछले कुछ महीनों में महत्वपूर्ण प्रगति करार देते हुए कहा कि टीम इस मुकाम तक पहुंचने पर गर्व कर सकती है। उन्होंने कहा, अगर पांच या छह महीने पहले कहा जाता कि हम पांचवें-छठे स्थान के लिए मैच खेलेंगे तो कोई भी हम पर विश्वास नहीं करता। मैंने लड़कियों से यह भी कहा कि हमें इससे सबक लेने की बहुत जरूरत है। नीदरलैंड के रहने वाले कोच ने कहा कि भारत मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रहा। भारत को सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए इस मैच में हर हाल में जीत चाहिए थी। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए पहला झटका था। हम हारे नहीं। ऑस्ट्रेलिया को ड्रॉ पर रोकना भी एक सकारात्मक पहलू है। हमारे लिए यह मैच जीतना जरूरी था। इस तरह के मैचों में आपको डटे रहना होता है और मौकों का फायदा उठाना होता है। मैच जीतने के लिए गोल करना जरूरी होता है और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हम ऐसा नहीं कर पाए। मारिन ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने और गोल के सामने संयम बनाए रखने को उन प्रमुख क्षेत्रों के रूप में पहचाना जिनमें भारत को सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, %डिफेंस के मामले में हम बहुत अच्छी तरह से व्यवस्थित और संगठित थे। टीम बहुत अनुशासित थी और अपने लक्ष्य पर टिकी रही। टूर्नामेंट से हमें जो सबसे महत्वपूर्ण सीख मिली है, वह है पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करना और मौकों का फायदा उठाना। हमें गोलकीपर के आसपास स्कोरिंग पोजीशन में थोड़ा और संयम बरतने की जरूरत है। महिला विश्व कप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1974 में चौथा स्थान रहा, जब अजिंदर कौर की अगुवाई वाली टीम फ्रांस में पदक जीतने से चूक गई थी। मारिन ने कहा कि टीम की मौजूदा उपलब्धि को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, मैंने लड़कियों से कहा कि हम सभी निराश हैं, लेकिन हम पांचवें-छठे स्थान के लिए होने वाला मैच खेलने जा रहे हैं, जो ऐतिहासिक भी है। हम कई दशकों बाद इस मुकाम पर पहुंचे हैं। हमें यह भी पता लगाना होगा कि आज हम क्यों नहीं जीत पाए। कोच ने विश्व कप 2018 में आयरलैंड से क्वार्टर फाइनल में मिली हार के बाद भारत के अनुभव का भी जिक्र किया और कहा कि मुश्किल मैचों से मिले सबक बड़े टूर्नामेंटों में महत्वपूर्ण साबित सकते है। उन्होंने कहा, मुझे याद है कि 2018 में लंदन में आयरलैंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में हम हार गए थे, लेकिन हमने उस मैच से बहुत कुछ सीखा। तोक्यो ओलंपिक में हम उनके खिलाफ खेले और जीत हासिल की। इसलिए ये सीख भविष्य के लिए उपयोगी होंगी।

# अर्जेंटीना ने 5-3 के अंतर से जीता मुकाबला, भारतीय पुरुष हॉकी टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर

**नीदरलैंड।** भारतीय पुरुष हॉकी टीम को विश्व कप के मुकाबले में अर्जेंटीना के खिलाफ 3-5 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारतीय टीम को हर हाल में बड़ी जीत दर्ज करनी थी, लेकिन टीम ये मैच हार गई। अब भारत सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकता। इस मैच में भारत की डिफेंस की कमजोरी साफ नजर आई, जबकि अर्जेंटीना ने पूरे मैच के दौरान दबदबा बनाए रखा।

## मैच में किस तरह हुए गोल

पहले मिनट में अर्जेंटीना के जोआक्वीन टोस्कानी ने मैदानी गोल किया। सातवें मिनट में अर्जेंटीना के डेल्ला टोरे ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। 10वें मिनट में भारत के सुखजीत ने मैदानी गोल दागा। अर्जेंटीना के लिए फिर 33वें मिनट में डोमेने ने मैदानी गोल किया। 45वें मिनट में डोमेने ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला। इसके बाद 53वें मिनट में लोकस टोस्कानी ने मैदानी गोल किया। 58वें मिनट में भारत के सुखजीत ने मैदानी गोल दागा। इसके एक मिनट बाद 59वें मिनट में हार्दिक ने पेनल्टी स्ट्रोक का फायदा उठाते हुए गोल दागा।

***भारत ग्रुप में सबसे नीचे***– दूसरे दौर में भारत पूल ई में फिलहाल सबसे नीचे है क्योंकि उसे इंग्लैंड और नीदरलैंड के खिलाफ भी हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम गोल गणना में पहले से ही पीछे थी और उसे अर्जेंटीना के खिलाफ हर हाल में बड़ी जीत दर्ज करनी थी। लेकिन भारतीय टीम ऐसा नहीं कर सकी। अर्जेंटीना के लिए यह प्रदर्शन संतोषजनक है क्योंकि अब वह ग्रुप में दूसरे स्थान पर आ गई है। अर्जेंटीना को प्रार्थना करनी होगी कि नीदरलैंड की टीम इंग्लैंड को हरा दे।

***पहले क्वार्टर में अर्जेंटीना का दबदबा***– अर्टेंजीना ने इस मुकाबले में शुरुआत में दबाव बनाया। अर्जेंटीना ने 40 सेकेंड के अंदर बढ़त हासिल की। टोस्कानी ने गोल कर अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। अर्जेंटीना को इस दौरान एक पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन गोलकीपर मोहित ने गोल होने से बचाया। अर्जेंटीना यही नहीं रुकी और भारत पर दबाव बनाना जारी रखा। अर्जेंटीना पहले क्वार्टर में फिर दूसरा गोल दागा। हालांकि, सुखजीत सिंह ने भी गोल कर अर्जेंटीना की बढ़त कम करने की कोशिश की। पहले क्वार्टर में अर्जेंटीना 2-1 से आगे रहा।

***पहले हाफ तक आगे अर्जेंटीना***– भारत और अर्जेंटीना के बीच इस मैच में दूसरे क्वार्टर में एक भी गोल नहीं हुआ। पहले हाफ तक अर्जेंटीना ने बढ़त बनाई। अर्जेंटीना के लिए पहले मिनट में टोस्कानी ने मैदानी गोल किया, जबकि सातवें मिनट में डेल्ला टोरे ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। फिर भारत की ओर से सुखजीत ने 10वें मिनट में मैदानी गोल किया। तीनों गोल पहले क्वार्टर में आए।

# भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए नवीन उल हक अफगानिस्तान टीम में शामिल, चोट से करेंगे वापसी

**काबुल।** अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक भारत के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए टीम में लौट आए हैं। नवीन दाहिने कंधे में स्ट्रेस फ्रैक्चर से उबरने के बाद इस तीन मुकाबलों की सीरीज का हिस्सा होंगे। नई दिल्ली स्थित अरुण जेटली स्टेडियम में अफगानिस्तान की मेजबानी में सीरीज के तीन मैच 13, 15 और 17 सितंबर को खेले जाएंगे।

***इब्राहिम जादरान होंगे कप्तान***

यह सीरीज इब्राहिम जादरान के लिए अफगानिस्तान के फुल टाइम टी20 कप्तान के तौर पर पहली सीरीज होगी। जादरान को राशिद खान के स्थान पर यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। सीरीज शुरू होने से पहले तैयारी कैंप के लिए अफगानिस्तान की टीम जल्दी भारत पहुंचेगी। नवीन को दाहिने कंधे में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज और आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 से बाहर होना पड़ा था। अब उनकी वापसी से अफगानिस्तान का तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत होगा।

***तेज गेंदबाजी विभाग होगा मजबूत***

नवीन-उल-हक तेज गेंदबाजी विभाग में फजल हक फारूकी, अब्दुल्ला अहमदजई और अजमतुल्लाह ओमरजई के साथ शामिल होंगे। टीम में अनुभवी सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर गुलबदीन नायब की भी वापसी हुई है, जबकि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले अनकैप्ड विकेटकीपर बल्लेबाज नूर रहमान को पहली बार टीम में बुलाया गया है। राशिद खान, नूर अहमद, नांगेलिया खरोटे, मुजीब उर रहमान और मोहम्मद नबी की बदौलत अफगान खेमे का स्पिन विभाग भी मजबूत है।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सीईओ नसीब खान ने कहा, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हमेशा सभी जरूरी प्रतियोगिताओं के लिए एक संतुलित और पूरी तरह से तैयार टीम चुनने की हर संभव कोशिश की है। हमने भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए भी यही तरीका अपनाया है। मुझे उम्मीद है कि अफगानिस्तान की टीम इन मैचों में शानदार प्रदर्शन करेगी। यह बहुत गर्व की बात है कि अफगानिस्तान पहली बार किसी बड़े क्रिकेट खेलने वाले देश की मेजबानी कर रहा है। यह अफगान क्रिकेट की अपने मुख्य लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में हुई प्रगति को दर्शाता है और दिखाता है कि हम संगठन द्वारा तय किए गए रणनीतिक लक्ष्यों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं।

अफगानिस्तान की टीम:- इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), नूर रहमान (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, अमतुल्लाह ओमरजाई, गुलबदीन नायब, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांगेलिया खरोटे, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, फजल हक फारूकी, अब्दुल्ला अहमदजई और नवीन-उल-हक।

# दलीप ट्रॉफी में डेब्यू पर वैभव की जर्सी पर क्यों लगा था टेप

**नई दिल्ली।** वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी 2026 में ईस्ट जोन के लिए अपना डेब्यू किया, लेकिन नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ वह सिर्फ आठ रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि, उनकी बल्लेबाजी से ज्यादा चर्चा जर्सी नंबर की हो रही है। पवेलियन लौटते समय उनकी जर्सी पर नंबर का आधा हिस्सा टेप से ढका नजर आया। इसकी आधिकारिक वजह सामने नहीं आई है। वैभव सूर्यवंशी का दलीप ट्रॉफी 2026 डेब्यू भले ही बल्ले से यादगार नहीं रहा, लेकिन उनकी जर्सी ने जरूर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। ईस्ट जोन की ओर से नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले में खेलने उतरे 15 साल के वैभव महज आठ रन बनाकर पवेलियन लौट गए। हालांकि, आउट होने के बाद जब वह वापस लौट रहे थे, तब उनकी जर्सी पर लगा टेप चर्चा का विषय बन गया।

वैभव सूर्यवंशी की जर्सी पर नंबर इस तरह टेप किया गया था कि उसमें सिर्फ 3 दिखाई दे रहा था। जर्सी नंबर को इस तरह ढकने की आधिकारिक वजह अभी सामने नहीं आई है। हालांकि, एक संभावना यह जताई जा रही है कि वैभव ने अपना पसंदीदा नंबर तीन बरकरार रखने के लिए ऐसा किया हो।

वैभव आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए नंबर तीन की जर्सी पहनते हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि दलीप ट्रॉफी की जर्सी पर अगर कोई दूसरा नंबर आवंटित हुआ हो या प्रिंटिंग में कोई गलती हुई हो, तो उसे टेप से ढककर उन्होंने अपना नंबर 3 दिखाने की कोशिश की हो सकती है। हालांकि, यह सिर्फ एक संभावित वजह है और इसकी पुष्टि वैभव या टीम की ओर से नहीं की गई है। मैच की बात करें तो वैभव के लिए बल्लेबाजी में शुरुआत अच्छी रही। बाएं हाथ के इस युवा बल्लेबाज ने मणिपुर के तेज गेंदबाज बिश्वोरजीत कोंथौजाम के खिलाफ लगातार दो चौके लगाए। इससे लगा कि वह बड़े स्कोर की ओर बढ़ सकते हैं। लेकिन उनकी पारी ज्यादा देर नहीं चली। वैभव ने सिर्फ छह गेंदों का सामना किया और आठ रन बनाकर आउट हो गए। दूसरी ओवर की आखिरी गेंद पर कोंथौजाम ने उन्हें आउट कर अपना बदला पूरा किया। महज 15 साल की उम्र में दलीप ट्रॉफी में उपकप्तान की जिम्मेदारी मिलना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। उन्हें ईस्ट जोन टीम में ईशान किशन का डिप्टी बनाया गया है।

मुकाबले में ईस्ट जोन ने पहली पारी में 467 रन का विशाल स्कोर बनाया। एक समय टीम 138 रन पर पांच विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। वैभव और ईशान किशन के जल्दी आउट होने के बाद बंगाल के बल्लेबाज सुदीप कुमार घरामी और शाहबाज अहमद ने पारी को संभाला। घरामी ने 146 रन, जबकि शाहबाज ने शानदार 167 रन की पारी खेली। दोनों की शतकीय पारियों की बदौलत ईस्ट जोन बड़े स्कोर तक पहुंचा। जवाब में नॉर्थ ईस्ट जोन की टीम पहली पारी में सिर्फ 111 रन पर ढेर हो गई। ईस्ट जोन के मध्यम गति के गेंदबाज अभिजीत सरकार ने पांच विकेट लिए, जबकि शाहबाज अहमद ने गेंद से भी कमाल करते हुए तीन विकेट झटके।

# बेमेतरा कलेक्टर की सख्त हिदायतः आवश्यक सेवा वाले अधिकारी बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़ें

**बेमेतरा।** कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं, जनहित से जुड़े कार्यों और लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। बैठक में उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को आवश्यक सेवाओं की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि आवश्यक सेवा से जुड़े कोई भी अधिकारी बिना पूर्व अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी अधिकारी को किसी कारणवश मुख्यालय से बाहर जाना आवश्यक हो तो नियमानुसार पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति मुख्यालय से अनुपस्थित पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं एवं जनहित से जुड़े कार्य संचालित हैं। ऐसे में अधिकारियों की मुख्यालय में उपस्थिति अत्यंत आवश्यक है। विशेषकर स्वास्थ्य, राजस्व, पंचायत, खाद्य, शिक्षा, विद्युत एवं जल प्रदाय जैसे आवश्यक सेवा वाले विभागों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण आम नागरिकों को परेशानी न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

**सड़क दुर्घटना के क्षतिपूर्ति प्रकरणों का शीघ्र निराकरण**

बैठक में कलेक्टर ने सड़क दुर्घटनाओं में मृत एवं घायल व्यक्तियों को मिलने वाली क्षतिपूर्ति एवं राहत राशि के प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद पीड़ित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता की आवश्यकता होती है। इसलिए ऐसे सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को समय पर राहत उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग को आपसी समन्वय से दुर्घटना से संबंधित क्लेम प्रकरण तैयार कर समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि राहत राशि की स्वीकृति में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।

**सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ चलेगा जांच अभियान**

कलेक्टर ने जिले में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने नगर पालिका एवं राजस्व अमले को बाजारों और दुकानों में लगातार जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध के बावजूद यदि कहीं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पाया जाता है तो उसे जब्त कर नियमानुसार जुर्माना वसूलने की कार्रवाई की जाए। साथ ही नागरिकों एवं व्यापारियों को कपड़े के थैले तथा अन्य पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के उपयोग के लिए जागरूक किया जाए। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शिकायतों का हो संतुष्टिपूर्ण निराकरण बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों की भी गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए कि शिकायतों का केवल औपचारिक निराकरण दर्ज न किया जाए। बल्कि गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए आवेदक से चर्चा कर उसकी वास्तविक समस्या को समझें। आवश्यकता होने पर अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर समस्या का समाधान सुनिश्चित करें। हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। समय-सीमा के लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाएं कलेक्टर ने समय-सीमा के अंतर्गत लंबित पत्रों, जनदर्शन, जनशिकायतों एवं अन्य विभागीय प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आम जनता के कार्य समय-सीमा में पूरे होना चाहिए। इसलिए सभी लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत किया जाए।

# ब्रह्माकुमारीज के रक्तदान महाभियान में अनेक लोगों ने लिया हिस्सा

**बालोद।** विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर देशभर में चलाए जा रहे ब्रह्माकुमारी संस्थान के रक्तदान महाभियान का आयोजन आत्मज्ञान भवन आमापारा बालोद में किया गया। शिविर में सुबह से ही रक्तदाताओं का उत्साह देखने को मिला। मुख्य अतिथि के रूप में ब्लड बैंक जिला अस्पताल से डॉ. मुरली मनोहर मूर्ति जी, शिशुपाल सिन्हा जी टी.आई., नगरपालिका उपाध्यक्ष कमलेश सोनी, गिरजेश गुप्ता जी पार्षद नगरपालिका परिषद, मुख्य संचालिका बी.के. विजयलक्ष्मी दीदी जी उपस्थित रहे। एवं मंच संचालन रेणु दीदी ने किया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्जवलन कर किया गया।

बी.के. विजयलक्ष्मी दीदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि 25 अगस्त को पूरे देश में विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाया जाता है। दादी प्रकाशमणी ने त्याग, तपस्या और नि:स्वार्थ भाव से विश्व कल्याण की भावना से मनुष्यों की सेवा की है। इसलिए दादी के स्मृति दिवस पर रक्तदान और व्यसनमुक्ति कार्यक्रम जोर शोर से चलाया जा रहा है। रक्तदान केवल एक सामाजिक कार्य नहीं बल्कि किसी जरूरत मंद के जीवन को बचाने का माध्यम है। रक्तदान के साथ समाज में स्वास्थ्य सेवा और मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना ही इस अभियान का उद्देश्य है।

बी.के. सरिता दीदी ने कहा कि यह प्रयास केवल रक्त संग्रह तक सीमित नहीं है, बल्कि रक्तदान करें, जीवन बचायें और नशा मुक्त बने। समाज को स्वस्थ बनाये। रक्तदाताओं से व्यसन मुक्ति का संकल्प कराया गया। तथा राजयोग के द्वारा कैसे हम अपने मन को सशक्त बनाकर व्यसनों से व बुराईयों से मुक्त रह सकते है। अंत में राजयोग का अभ्यास कराया गया। डॉ. मुरली मनोहर मूर्ति जी ने कहा यह संस्था समाज के लिए बहुत ही सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने कहा ब्लड डोनेशन 18 से 60 वर्ष की आयु तक कोई भी चाहे वह महिला हो या पुरूष दे सकता है जिन्हें कोई गंभीर बीमारी न हो। कमलेश सोनी जी ने कहा कि सच में रक्तदान महादान होता है यह संस्था हमेशा प्रयास करती है कि किस प्रकार मानव समाज का हम कल्याण करें जिसके लिए समय प्रति समय ब्लड डोनेशन और नशा मुक्ति के कार्यक्रम रखा जाता है।

शिशुपाल सिन्हा जी ने कहा ब्रह्माकुमारीज संस्था के साथ मंच साझा करना मेरा सौभाग्य है यहां बहनो द्वारा नशामुक्ति के जो कार्यक्रम किये जाते है उनके द्वारा काफी लोग उसे आत्मसात करके अपने जीवन को बदलते है।

# 'बहनों का मान, विष्णु भैया का सम्मान' — रक्षाबंधन से पहले मिला आर्थिक संबल

**बेमेतरा ।** रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश की बहनों के लिए महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त जारी होने से महिलाओं के चेहरों पर खुशी और उत्साह दिखाई दे रहा है। बेमेतरा जिले के ग्राम आनंदगांव की रंजिता लहरे, जो उड़ान स्व-सहायता समूह से जुड़ी हैं, के लिए भी यह किस्त राखी से पहले मिली एक विशेष सौगात बनकर आई है। रंजिता बताती हैं कि रक्षाबंधन के पहले महतारी वंदन योजना की राशि खाते में आने से उन्हें काफी खुशी हुई है। त्योहार के समय घर-परिवार की जरूरतें बढ़ जाती हैं और ऐसे में मिलने वाली आर्थिक सहायता बहुत उपयोगी साबित होती है। इस राशि से वे राखी और त्योहार की आवश्यक तैयारियों में सहयोग कर सकती हैं। उनके लिए यह राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सरकार की ओर से बहनों के प्रति सम्मान और विश्वास का प्रतीक है। रंजिता लहरे कहती हैं, राखी से पहले महतारी वंदन की 31वीं किस्त मिलना हमारे लिए खुशी की बात है। त्योहार के समय यह राशि बहुत काम आती है। इससे हम अपनी जरूरतें पूरी कर पाते हैं और परिवार के खर्च में भी सहयोग कर पाते हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी ने हम बहनों को जो सम्मान और सहारा दिया है, उसके लिए मैं उनका दिल से धन्यवाद करती हूं। सच में, बहनों का मान बढ़ा है और विष्णु भैया का सम्मान बढ़ा है। उड़ान स्व-सहायता समूह से जुड़ी रंजिता का कहना है कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास उन्हें आत्मनिर्भर बनने का हौसला देते हैं। महतारी वंदन योजना की नियमित सहायता से महिलाओं को अपनी छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए आर्थिक सहारा मिलता है और परिवार में उनकी भागीदारी भी मजबूत होती है।

# ग्राम हेमांबद में पशुओं को बंधक बनाए जाने के मामले में जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

**बेमेतरा।** तहसील दाढ़ी अंतर्गत ग्राम हेमांबद में अनाधिकृत रूप से आवारा/घुमंतू पशुओं को बंधक बनाकर रखे जाने की सूचना जिला प्रशासन को प्राप्त हुई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पशु चिकित्सा विभाग के चिकित्सक को तत्काल मौके पर भेजकर जांच कराई गई। जांच में शिकायत प्रथमदृष्टया सही पाए जाने पर संबंधित दिलीप राय के विरुद्ध धारा 325, 299 बीएनएस, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(1)(क), 11(1)(ज) तथा छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6 एवं 10 के तहत एफआईआर दर्ज की गई। प्रकरण में पुलिस द्वारा आरोपी दिलीप राय (55 वर्ष) एवं उसके पुत्र संजय राय (35 वर्ष), निवासी हेमांबद को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड हेतु न्यायालय में पेश किया गया।

मौके पर पाए गए 126 पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। इसके पश्चात सभी पशुओं को वहां से हटाकर जिले की अन्य गौशालाओं में सुरक्षित रूप से व्यवस्थापित किया गया है। संबंधित गौशालाओं में पशुओं के स्वास्थ्य एवं आवश्यक उपचार की निगरानी के लिए विषय-विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों की टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जांच के दौरान गांव की सरहद में कुछ मृत पशु भी पाए गए हैं। इन पशुओं की मृत्यु किन परिस्थितियों एवं किन कारणों से हुई, इसका पता लगाने के लिए तीन पशु चिकित्सकों की टीम गठित की गई है। टीम द्वारा आवश्यक जांच एवं चिकित्सकीय परीक्षण की कार्रवाई की जा रही है।

प्रकरण में प्रशासन द्वारा आगे भी कार्रवाई जारी रखते हुए आरोपी द्वारा कब्जा की गई शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई आज दिनांक 25 अगस्त 2026 को पूर्ण कर ली गई है। वहीं, अपने दायित्व के प्रति लापरवाही बरतने पर श्री प्रकाश कोशले, सचिव ग्राम पंचायत हेमांबांद को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

इसके अतिरिक्त, आरोपी द्वारा पशुओं के संबंध में उपयोग किए गए जप्त ट्रैक्टर के राजसात की कार्रवाई पुलिस द्वारा प्रारंभ कर दी गई है।

# मूल पदस्थापन पर वापस नहीं लौटे शिक्षक, वेतन रोका गया

**सिमगा।** सिमगा ब्लॉक में संलग्नीकरण समाप्ति के बाद भी स्कूलों में कार्यरत 21 शिक्षकों को उनके मूल पदस्थापन वाले स्कूलों में वापस जाकर कार्यभार ग्रहण करने के आदेश जारी किए गए थे। इनमें से 15 शिक्षकों ने अपने मूल स्कूलों में कार्यभार ग्रहण कर लिया, लेकिन अभी भी 6 शिक्षक अब तक अपने मूल पदस्थापन वाले स्कूलों में वापस नहीं लौटे हैं। इनमें प्रमिला भतपहवी, विपिन चंद्र भतपहवी एवं मनोज कुमार वर्मा शामिल हैं। समय पर मूल स्कूल में कार्यभार ग्रहण नहीं करने के कारण सिमगा बीईओ द्वारा इन तीनों शिक्षकों का वेतन रोक दिया गया है। वहीं, संजय श्रीवास्तव, श्रीमती विमला बघेल एवं कुमारी योगिता पटेल के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा घोषित बताने वाले, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ढाल सिंघ ठाकुर ने बताया कि इनमें से दो शिक्षकों का वेतन नहीं रोका गया है। इससे शिक्षकों के मूल पदस्थापन पर कार्यभार ग्रहण करने और वेतन संबंधी प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं । और जो शिक्षक मूल स्कूल लौट चौके हैं उनमें इस बात को लेकर नाराजगी भी है । इससे ऐसा प्रतीत होता है कि जो शिक्षक वापस मूल स्कूल नहीं गए है कही उन्हें किसी अधिकारी का संरक्षण प्राप्त है। वही संलग्नीकरण समाप्ति के बाद इग्नाइट इंग्लिश मीडियम स्कूलों से शिक्षकों के वापस जाने के बाद वहां शिक्षकों की कमी भी बनी हुई है, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने की बात सामने आ रही है।

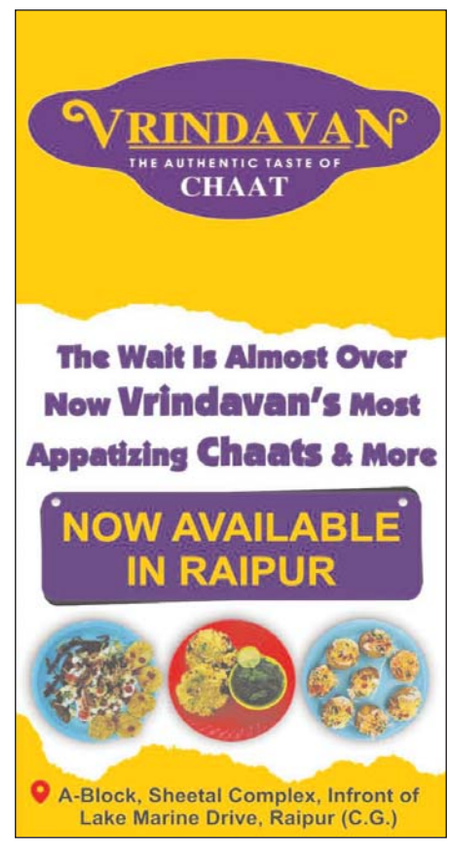

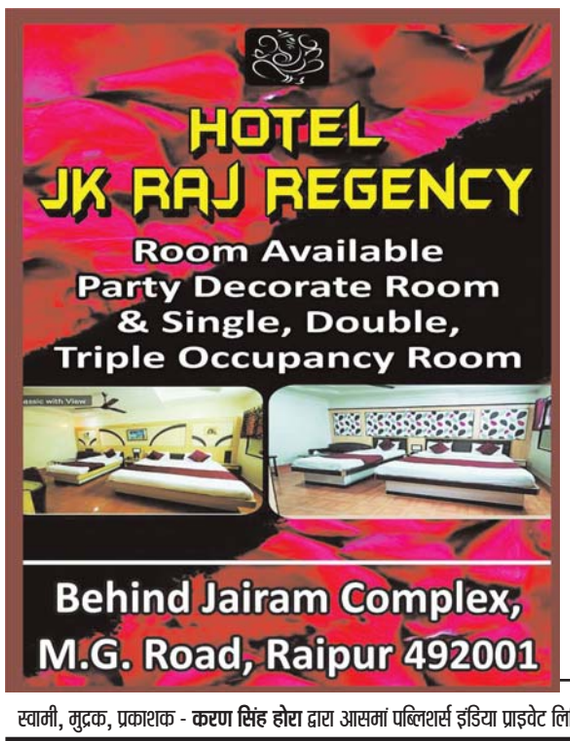

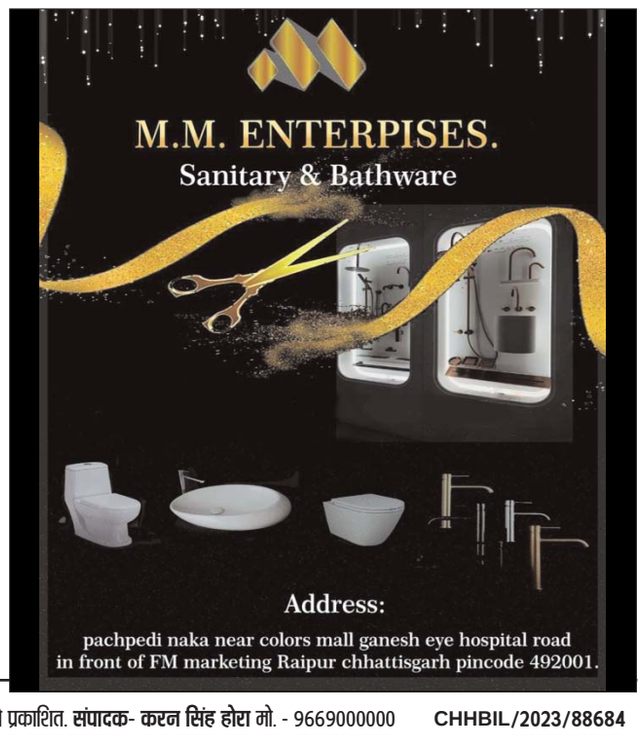


स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684